कोटद्वार, मंगलवार
29 जुलाई 2025
वर्षः 47
अंकः 89 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापकः स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

हृदय गति रुकने से पोलिंग बूथ पर बुजुर्ग मतदाता की मौत

उत्तरकाशी। डुंडा ब्लॉक के थाती पिपली इंटर कॉलेज पोलिंग बूथ पर सुबह मतदान करने आए 77 वर्षीय बुजुर्ग की हृदय गति रुकने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, भाट गांव निवासी 77 वर्षीय विजय प्रसाद भट्ट सुबह करीब साढ़े नौ बजे पिपली पोलिंग बूथ पर परिजनों के साथ मतदान के लिए पहुंचे थे। कुर्सी पर बैठकर कुछ देर उन्होंने अपनी बारी का इंतजार किया। जैसे ही वह मतदान के लिए उठे, इसी दौरान चक्कर खाकर जमीन पर गिर पड़े। आनन–फानन में परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें डुंडा पीएचसी में लाया गया। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि विजय प्रसाद लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे।

पुरोला में युवक का शव पेड़ से लटका मिला

उत्तरकाशी। नवोदय विद्यालय में कार्यरत एक युवक का शव रविवार देर शाम संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका हुआ मिला। मृतक युवक के परिजनों ने दो दिन पहले बसंत नगर के तीन युवकों के खिलाफ विद्यालय कैंपस में आकर मारपीट करने का आरोप लगाकर पुरोला थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदीप सिंह पंवार पुत्र सोवेंद्र पंवार, निवासी ग्राम मठ तहसील पुरोला नवोदय विद्यालय में छात्रों की मैस में पिछले तीन साल से श्रमिक के रूप कार्य करता था। शनिवार को कथित प्रेम प्रसंग के संदेह के चलते बसंत नगर निवासी सत्येंद्र राणा, राजू सिंह राणा और उपेंद्र राणा पर प्रदीप के साथ मारपीट करने का भी आरोप है। मामले में परिजनों की ओर से शनिवार को पुरोला थाने में तीनों युवकों के खिलाफ मारपीट करने की तहरीर भी दी गई थी। परिजनों का आरोप है कि तीनों युवकों की मारपीट और प्रताड़ना के बाद प्रदीप ने मानसिक तनाव में आकर आत्महत्या जैसा कदम उठाया। परिजनों ने प्रदीप की मौत के लिए तीनों युवकों को जिम्मेदार ठहराते हुए कार्रवाई करने की मांग की है।

सुमन नगर में हाई टेंशन लाइन की चपेट में आने से मजदूर की मौत

हरिद्वार। सुमन नगर रोड नंबर दो पर सोमवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक निर्माणाधीन मकान की छत पर प्लास्टर कर रहा मजदूर हाई टेंशन लाइन की चपेट में आ गया। 23 वर्षीय राजमिस्त्री की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने मकान मालिक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। हालात भांपकर मकान मालिक ताला जड़कर परिवार समेत फरार हो गया। घटना रानीपुर कोतवाली क्षेत्र के सुमन नगर रोड नंबर दो की है। अफजल निवासी गडमीरपुर, एक मकान की छत पर सीमेंट का प्लास्टर कर रहा था। छत से महज दो फुट की दूरी पर गुजर रही 132 केवीए की हाई टेंशन लाइन उसकी जान की दुश्मन बन गई। काम के दौरान अचानक अफजल करंट की चपेट में आ गया।

मनसा देवी हादसे के बावजूद नहीं डिगी श्रद्धा, सोमवार को उमड़ी भारी भीड़

हरिद्वार। मनसा देवी सीढ़ी मार्ग पर रविवार को दर्दनाक हादसे के बावजूद सोमवार को मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर माता के जयकारों से गुंजायमान हो गया। इससे साफ हो गया कि भक्तों की आस्था हादसों से कमजोर नहीं होती। मनसा देवी में हादसा होने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में गिरावट आने के कयास लगाए जा रहे थे। लेकिन सोमवार को मनसा देवी मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ देखकर सभी आश्चर्यचकित थे। सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और दोपहर तक यह संख्या हजारों में पहुंच गई।

उत्तरकाशी के बगियाल गांव पोलिंग बूथ पर मोमबत्ती की रोशनी में मतदान

उत्तरकाशी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तहत सोमवार को उत्तरकाशी के भटवाड़ी ब्लॉक के बगियाल गांव पोलिंग बूथ पर सुबह बिजली गुल होने से मतदाताओं को मोमबत्ती की रोशनी के सहारे मतदान करना पड़ा। इस दौरान मतदान प्रक्रिया में असुविधाएं देखी गईं, जिससे मतदाता और मतदान कर्मी दोनों प्रभावित हुए।

संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर तीखी बहस आज

राज्यसभा और लोकसभा फिर स्थगित

नईदिल्ली,संसद के मानसून सत्र का एक हफ्ता हंगामेदार बीतने के बाद सोमवार यानी आज से ऑपरेशन सिंदूर पर 32 घंटे की तीखी बहस शुरू होनी है। हालांकि, सोमवार को भी संसद शुरू होते ही हंगामा शुरू हो गया। लोकसभा में दोपहर 12 बजे चर्चा की शुरूआत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को करनी है जिसके लिए 16 घंटे तय हैं। राज्यसभा में भी इस पर 16 घंटे चर्चा होगी। हालांकि, दोनों सदनों को सुबह 2 बार स्थगित कर दिया गया। लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई थी, जिसमें प्रश्नकाल के तहत सवाल–जवाब होने थे। हालांकि, विपक्ष के हंगामे के चलते इसे दोपहर 12 बजे तक रद्द किया गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि देश देखेगा कि विपक्ष ने जानबूझकर प्रश्नकाल को रोका है। इसके बाद सदन 12 बजे फिर शुरू हुई, लेकिन उसे 1 बजे तक स्थगित कर दिया गया। राज्यसभा भी दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित की गई है। गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बहस में शामिल हो सकते हैं और अपनी बात रखेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के बोलने को लेकर केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले हफ्ते स्पष्ट कहा था कि विपक्ष यह तय नहीं कर सकता है कि प्रधानमंत्री विषय पर बोलेंगे या नहीं। हालांकि, यह बहस मोदी के ब्रिटेन और मालदीव के दौरे से लौटने के बाद शुरू हो रही है, ऐसे में उनके बोलने की संभावना है। विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान को अपनी बहस का हथियार बनाएगी, जिसमें ट्रंप ने करीब 25 बार भारत–पाकिस्तान युद्ध रोकने में हस्तक्षेप की बात कही है।

उदयपुर फाइल्स की रिलीज पर रोक, दिल्ली हाईकोर्ट में 30 जुलाई को होगी सुनवाई

नई दिल्ली , राजस्थान के उदयपुर में हुए कन्हैया लाल हत्याकांड पर आधारित फिल्म 'उदयपुर फाइल्सझ् की रिलीज को लेकर सोमवार को सुनवाई हुई। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले की सुनवाई अब 30 जुलाई को होगी। कोर्ट को बताया गया कि सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने फिल्म में कुछ बदलावों के बाद इसे दोबारा सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से सर्टिफिकेट लेने को कहा है। कोर्ट के अनुसार, इस प्रक्रिया में समय लगेगा इसलिए फिल्म की रिलीज अभी टाल दी गई है।

फिल्म के निर्माता की ओर से सीनियर एडवोकेट गौरव भाटिया ने कोर्ट में कहा कि मंत्रालय की सिफारिशों के अनुसार फिल्म में छह कट लगाए गए हैं और डिस्क्लेमर में भी बदलाव किया गया है। उन्होंने बताया कि पहले सीबीएफसी ने फिल्म को 55 कट के साथ मंजूरी दी थी, लेकिन अब नए बदलावों के बाद दोबारा सर्टिफिकेशन की जरूरत है। इस पर कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जल्दबाजी की जरूरत नहीं है और सर्टिफिकेशन पूरा होने के बाद ही फिल्म रिलीज हो सकती है।

मनसा, चंडी देवी सहित प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं का पंजीकरण अनिवार्य

गढ़वाल, कुमाऊं मंडल के आयुक्तों की अध्यक्षता में होगा समित का गठन

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों हरिद्वार स्थित मनसा देवी, चंडी देवी मंदिर, टनकपुर स्थित पूर्णागिरि धाम, नैनीताल के कैंची धाम, अल्मोड़ा के जागेश्वर मंदिर, पौड़ी स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर सहित अन्य प्रसिद्ध मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए समुचित व्यवस्थाएं करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं का पंजीकरण अनिवार्य रूप से किया जाए तथा दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या नियंत्रित करते हुए चरणबद्ध व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भीड़ नियंत्रण में रहे और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन मंदिरों में भीड़ प्रबंधन, श्रद्धालु पंजीकरण, पैदल मार्गों और सीढ़ियों का चौड़ीकरण, अतिक्रमण हटाने तथा अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम एवं सुरक्षित दर्शन अनुभव प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि दोनों मंडलों के आयुक्तों की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जाए। इस समिति में संबंधित जिलों के जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्ष, एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सदस्य के रूप में शामिल किया जाए। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से मनसा देवी मंदिर परिसर तथा अन्य प्रमुख मंदिर परिसरों के सुनियोजित विकास, धारणा क्षमता में वृद्धि और व्यवस्थित दुकान प्रबंधन पर बल देते हुए निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की व्यवस्था को सुदृढ़, सुव्यवस्थित और सुगम बनाया जाए। बैठक में प्रमुख सचिव आर.के.सुधांशु, आर मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली, एस.एन. पाण्डेय, सचिव एवं आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डेय, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी. अंशुमन, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते और अपर सचिव बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

कांकाणी हिरण शिकार प्रकरण की सभी अपीलों पर अब एक साथ होगी सुनवाई

जोधपुर। राजस्थान के बहुचर्चित सलमान खान कांकाणी हिरन शिकार मामले में राजस्थान हाई कोर्ट की मुख्य पीठ में सुनवाई हुई, जहां सलमान खान की कुल तीन अपील हाईकोर्ट में कम्पाइल किए जाने को लेकर अर्जी लगाई गई थी।राज्य सरकार ने फिल्मी सितारों को बरी किए जाने के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील की थी। मामले की सुनवाई जस्टिस मनोज कुमार गर्ग की एकल पीठ में हुई।

वकीलों ने क्या मांग की?

सुनवाई के दौरान वकीलों ने कोर्ट के समक्ष यह मांग रखी कि सलमान खान को सजा सुनाए जाने के फैसले के खिलाफ दायर अपील भी अब हाईकोर्ट में ट्रांसफर हो चुकी है, इसलिए सभी अपीलों को एक साथ जोड़ा जाए । इसके अलावा सलमान खान से जुड़े एक मामले की अपील भी ट्रायल कोर्ट में पेंडिंग थी। कोर्ट ने इस आग्रह को स्वीकार किया है। अब सलमान खान, सैफ अली खान और अन्य सितारों से जुड़े सभी अपील मामलों की संयुक्त सुनवाई अब 22 सितंबर को होगी।

राज्य सरकार ने लीव टू अपील दायर की थी

राजस्थान हाईकोर्ट में 1998 के बहुचर्चित काला हिरण शिकार मामले में आज विभिन्न अपीलों और याचिकाओं पर सुनवाई हुई । मामले में सह आरोपी फिल्म अभिनेता सैफ अली खान , अभिनेत्री नीलम , तब्बू , सोनाली बेंद्रे और दुष्यंत सिंह को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया था।

इनके बरी होने पर राज्य सरकार की तरफ से लीव टू अपील दायर की गई थी इसके अलावा सलमान खान की ट्रांसफर पिटीशन पर भी सुनवाई होनी थी। ट्रांसफर केस की प्रक्रिया पूरी नहीं होने के चलते अब अगली सुनवाई 22 सितंबर को होगी।

सलमान खाने के वकील ने पेश की थी ट्रांसफर पिटीशन

एडवोकेट महीपाल विश्नोई ने बताया कि जस्टिस मनोज कुमार गर्ग की कोर्ट में मामला सूचीबद्ध था।

मनसा देवी में भगदड़ के बाद प्रशासन के कड़े कदम

हरिद्वार। मनसा देवी मंदिर में रविवार को हुई भगदड़ के बाद प्रशासन ने कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। सोमवार सुबह से ही मंदिर जाने वाले सीढ़ी मार्ग को वन–वे कर दिया गया है। अब श्रद्धालु सीढ़ी मार्ग से केवल मंदिर की ओर ही जा सकेंगे, वापसी के लिए उन्हें वैकल्पिक पैदल मार्ग का इस्तेमाल करना होगा।

प्रशासन ने दोतरफा भीड़ के दबाव को कम करने के लिए यह फैसला लिया है। शहर कोतवाली प्रभारी रितेश शाह ने बताया कि श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुचारू रखने के लिए रामप्रसाद की गली से होकर श्रद्धालुओं को भेजा जा रहा है।

सीढ़ी मार्ग से श्रद्धालुओं को सीधे मंदिर तक नहीं भेजा जा रहा है, बल्कि हनुमान छत्री के पास पैदल मार्ग पर मोड़कर मंदिर तक पहुंचाया जा रहा है। इसके अलावा, श्रद्धालुओं को सीढ़ी मार्ग से किसी भी सूरत में वापस लौटने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

धर्मांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर बाबा की बढ़ी मुश्किलें

5 दिन की ईडी रिमांड में भेजा गया

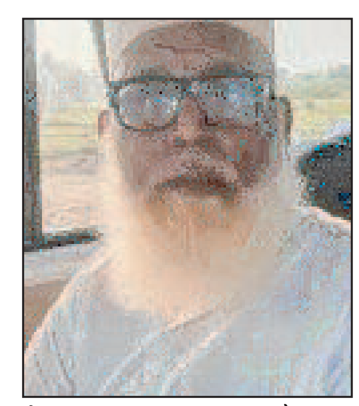

लखनऊ ,धर्मांतरण के मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छांगुर बाबा को गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया, जहां से उसे पांच दिनों की ईडी रिमांड में भेज दिया गया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने छांगुर बाबा को अदालत में पेश किया और पूछताछ के लिए 7 दिन की रिमांड मांगी थी। कोर्ट ने सुनवाई के बाद छांगुर बाबा को 5 दिन की ईडी कस्टडी में भेजा। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छांगुर बाबा पर गैरकानूनी धर्मांतरण, विदेशी धन के उपयोग और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संभावित खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों से संबंधित षड्यंत्र रचने का आरोप है। पिछले दिनों इस मामले में ईडी की लखनऊ शाखा ने पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत बलरामपुर, लखनऊ और मुंबई स्थित छांगुर बाबा और उनके करीबियों के 15 ठिकानों पर छापा मारा था। बलरामपुर जिला प्रशासन ने शनिवार को छांगुर बाबा के भतीजे सबरोज के अवैध ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। गैडास बुजुर्ग थाना क्षेत्र के रेहरा माफी गांव में सबरोज का घर सरकारी (ग्राम समाज) जमीन पर अवैध रूप से बना था। जिला प्रशासन ने पहले नोटिस दिया था, लेकिन अतिक्रमण नहीं हटाया गया। प्रशासन की टीम ने वहां पहुंचकर बुलडोजर कार्रवाई की। सीओ राघवेंद्र प्रताप ने बताया कि पुलिस की निगरानी में अवैध निर्माण पर बुलडोजर की कार्रवाई की गई। ज्ञात हो कि छांगुर का गिरोह देश–विरोधी गतिविधियों में शामिल था और देश भर में अवैध काम कर रहा था। इसमें कई लोग उसके साथ थे। छांगुर के कई राज सामने आ चुके हैं, लेकिन उसके संदिग्ध या प्रतिबंधित संगठनों से संबंध की जांच चल रही है। बताया जा रहा है कि उसने दुबई, सऊदी, और तुर्की जैसे देशों में अपने संपर्क बनाए थे। छांगुर मुख्य रूप से धर्मांतरण के काम में लगा था। हाल ही में राज्य पुलिस ने बड़े धर्मांतरण गिरोहों का पर्दाफाश किया था। आगरा में दो लापता बहनों के मामले की जांच के दौरान पुलिस ने एक ऐसे नेटवर्क का खुलासा किया, जो छह राज्यों तक फैला था।

सुप्रीम कोर्ट ने की जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर तीखी टिप्पणी

–कहा यह याचिका इस तरह दायर नहीं की जानी चाहिए थी

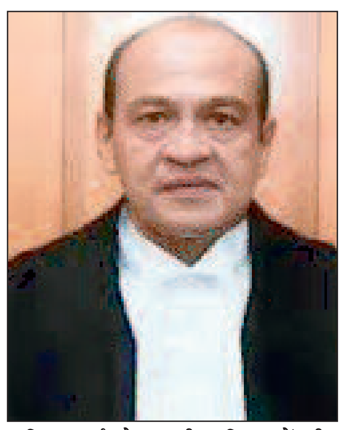

नईदिल्ली,सुप्रीम कोर्ट ने घर में बेहिसाब नकदी मिलने के मामले में फंसे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की याचिका पर सोमवार को सुनवाई की। इसमें कोर्ट ने याचिका दायर करने के तरीके पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह याचिका इस तरह दायर नहीं की जानी चाहिए थी। न्यायाधीश का मुख्य मुद्दा सुप्रीम कोर्ट के पास है। जस्टिस वर्मा ने याचिका दायर कर इस मामले में गठित 3 न्यायाधीशों वाली जांच समिति की रिपोर्ट को रद्द करने की मांग की थी।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा, यह याचिका इतनी लापरवाही से दायर नहीं की जानी चाहिए थी। कृपया देखें, पक्षकार यहां रजिस्ट्रार जनरल हैं, महासचिव नहीं। पहला पक्ष सुप्रीम कोर्ट है क्योंकि आपकी शिकायत उल्लेखित प्रक्रिया के खिलाफ है। बता दें कि जस्टिस वर्मा ने अपनी याचिका में तीन प्रतिवादी बनाए हैं। इनमें पहले नंबर पर भारत संघ, दूसरे पर भारत का सवोच्च न्यायालय और तीसरे पर भी सुप्रीम कोर्ट है।जस्टिस दत्ता ने इस बात पर आपत्ति जताई कि जस्टिस वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच करने वाले 3 न्यायाधीशों की समिति की रिपोर्ट याचिका के साथ संलग्न नहीं की गई थी। उन्होंने पूछा, तीन न्यायाधीशों के पैनल की रिपोर्ट कहां है? इस पर जस्टिस वर्मा के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि रिपोर्ट तो पहले से ही सार्वजनिक है। इस पर जस्टिस दत्ता ने स्पष्ट किया कि याचिका के साथ जांच रिपोर्ट आवश्यक रूप से लगाई जानी चाहिए थी।

सिब्बल ने कहा, अनुच्छेद–124 के तहत जब तक कदाचार सिद्ध न हो जाए, तब तक संसद में भी न्यायाधीशों के आचरण पर चर्चा नहीं हो सकती। इसी तरह टेप जारी करना, वेबसाइट पर डालना, न्यायाधीशों के विरुद्ध मीडिया में आरोप, जनता द्वारा निष्कर्ष आदि भी निषिद्ध हैं। इसके बाद भी लोकसभा और राज्यसभा में महाभियोग के लिए प्रस्ताव दिया गया है। अगर, प्रक्रिया ऐसा करने की अनुमति देती है, तो यह संविधान पीठ के निर्णय का उल्लंघन है। सिब्बल ने कहा, मामले में अब तक जो कुछ भी हुआ है वह संवैधानिक ढांचे के पूरी तरह विपरीत है। न्यायाधीशों पर किसी भी चर्चा की अनुमति, यहां तक कि संसद में भी कदाचार को साबित करने के बाद ही दी जाती है।सुप्रीम कोर्ट ने पूछा, क्या जस्टिस वर्मा मुख्य न्यायाधीश की तथ्य–खोजी समिति के सामने पेश हुए थे? क्या उन्हें अनुकूल निष्कर्ष की उम्मीद थी? वह उस समिति के खिलाफ सीधे सुप्रीम कोर्ट क्यों नहीं आए? इस पर सिब्बल ने कहा, जस्टिस वर्मा के खिलाफ जांच में तथ्यान्वेषी रिपोर्ट का कोई सबूत नहीं है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, समिति की रिपोर्ट को राष्ट्रपति को भेजना अवैध क्यों था, जबकि वह न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं। कोर्ट ने सिब्बल से तथ्यान्वेषी समिति की रिपोर्ट को रिकार्ड पर रखने के निर्देश देते हुए पूछा कि क्या वह संसद महाभियोग प्रस्ताव रखे जाने के बाद कोई निर्देश पारित कर सकता है।

कोर्ट ने मामले की सुनवाई 30 जुलाई तक स्थगित कर दी। जस्टिस वर्मा ने याचिका में तर्क दिया कि जांच समिति की कार्यवाही ने एक व्यक्ति और एक संवैधानिक पदाधिकारी, दोनों के रूप में उनके अधिकारों का उल्लंघन किया है।

लुधियाना में दर्दनाक हादसा : नैणा देवी से लौटते श्रद्धालुओं की गाड़ी नहर में गिरी, 6 की मौत, 2 अब भी लापता

लुधियाना , पंजाब के लुधियाना जिले में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 6 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 2 लोग अब भी लापता हैं। यह हादसा उस वक्त हुआ जब श्रद्धालुओं से भरी महिंद्रा पिकअप (छोटा हाथी) वाहन नैणा देवी मंदिर से दर्शन कर लौट रहा था और खन्ना के पास जगेड़ा पुल से नहर में जा गिरा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, मलेरकोटला के श्रद्धालु रविवार रात हिमाचल प्रदेश स्थित माता श्री नैणा देवी के दर्शन कर लौट रहे थे। वापसी के दौरान उनकी महिंद्रा बोलेरो पिकअप जैसे ही राड़ा साहिब से जगेड़ा पुल के रास्ते गुजरी, वाहन असंतुलित होकर पुल से नीचे सरहिंद नहर में गिर गया। हादसे के वक्त गाड़ी में करीब 26 श्रद्धालु सवार थे। स्थानीय लोगों और पुलिस की तत्परता से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। अब तक 6 शव नहर से बरामद किए जा चुके हैं। रेस्क्यू टीम के अनुसार, अभी भी दो श्रद्धालु लापता हैं। उनके लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। पंजाब पुलिस, एनडीआरएफ की टीम और स्थानीय गोताखोरों की मदद ली जा रही है। जो लोग जीवित बाहर निकाले गए हैं, उनमें से कई गंभीर रूप से घायल हैं।

भारतीय सेना का ऑपरेशन महादेव, 3 आतंकी मारे गए

श्रीनगर,जम्मू–कश्मीर के श्रीनगर में आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हो रही है। गोलीबारी दाचीगाम इलाके के लिडवास में चल रही है। सुरक्षा बलों ने 3 आतंकियों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। तीनों आतंकवादी पहलगाम हमले से जुड़े बताए जा रहे हैं, जिन्होंने बैसरन घाटी में 26 पर्यटकों को मारा था। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। भारतीय सेना की चिनार कोर्प्स ने बताया कि आतंकियों के खिलाफ इस मुठभेड़ को ऑपरेशन महादेव नाम दिया गया है। सेना के सूत्रों का कहना है कि तीनों आतंकियों की पहचान सामने नहीं आई है, लेकिन वे लश्कर–ए–तैयबा के द रेसिस्टेंस फोर्स (टीआरएफ) से जुड़े विदेशी आतंकवादी बताए जा रहे हैं। इस इलाके में पिछले कई दिनों से टीआरएफ के संदिग्ध आतंकियों के छिपे होने की सूचना दी, जिसके बाद भारतीय सेना, जम्मू–कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन चलाया है। तीनों आतंकियों को सुरक्षा बलों ने इलाके में घेर लिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दाचीगाम श्रीनगर का बाहरी इलाका है, जो राष्ट्रीय उद्यान का हिस्सा है। यहां पहले भी टीआरएफ अपना ठिकाना बना चुका है, जिसको सुरक्षा बल नष्ट कर चुके हैं। सुरक्षा बल आतंकियों और उनके हथियारों को बरामद करने के लिए ड्रोन का सहारा ले रहे हैं। इलाके में अब भी कुछ आतंकियों के छिपे होने की आशंका के चलते गोलीबारी जारी है।

सावन के तीसरे सोमवार पर देशभर के शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

नई दिल्ली ,श्रावण मास का धार्मिक महत्व हिंदू संस्कृति में अत्यधिक है और इसकी रूशङ्घस्त्रङ्ग4ह्य यानी सोमवारों को विशेष रूप से भगवान शिव की पूजा के लिए सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। आज, सावन का तीसरा सोमवार होने के कारण देशभर में शिवालयों में श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व भीड़ उमड़ पड़ी। उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक हर शिव मंदिर हर–हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा।

काशी में विशेष आरती, भक्तों पर पुष्पवर्षा

वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। तीसरे सोमवार की शुभ बेला में भगवान विश्वनाथ के दरबार में विशेष मंगल आरती का आयोजन किया गया। स्थानीय प्रशासन ने व्यवस्था बनाए रखने के साथ–साथ श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर आस्था का स्वागत किया। हजारों की संख्या में भक्तों ने जलाभिषेक किया और भगवान शिव से मंगल की कामना की।

उज्जैन में महाकाल के दर्शन को उमड़ा जनसैलाब

मध्यप्रदेश के उज्जैन स्थित प्रसिद्ध महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। मंदिर प्रांगण में लंबी कतारें सुबह से ही दिखाई दीं। मंदिर प्रशासन की ओर से विशेष पूजन और भस्म आरती का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर से आए भक्तों ने भाग लिया।

बाबा बैद्यनाथ धाम में शिवभक्तों की भारी भीड़

झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में भी आज शिवभक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालु देर रात से ही मंदिर परिसर में जुटने लगे थे और तड़के जलाभिषेक की प्रक्रिया प्रारंभ हुई।

मंदिर में बिजली का करंट फैलने से भगदड़, 2 की मौत

बाराबंकी,उत्तराखंड में मनसा देवी मंदिर में हुए हादसे के बाद उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में भी बिजली का करंट फैलने से भगदड़ मच गई। हादसे में 2 श्रद्धालुओं की मौत हुई है। घटना अवसानेश्वर मंदिर में सोमवार तड़के 3 बजे घटी है। मृतकों में 22 और 25 वर्षीय दो युवक शामिल हैं। इसके अलावा 38 अन्य लोग घायल हुए हैं। पुलिस का कहना है कि अब हालात सामान्य है। घायलों में 2 की हालत गंभीर है। श्रद्धालुओं ने बताया कि सोमवार को अवसानेश्वर मंदिर में काफी भीड़ थी। यहां बारिश से बचने के लिए टीन शेड लगाया गया है। सोमवार तड़के बंदरों ने टीन शेड के ऊपर गए बिजली के तारों को तोड़ दिया। तार टीन शेड और मंदिर के मुख्य गेट पर गिरा, जिससे करंट उतर आया।

अंतरिक्ष में फिर कारनामा करेगा भारत, धरती की होगी निगरानी

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा है कि पृथ्वी पर नजर रखने वाले सेटेलाइट नासा–इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) को 30 जुलाई, बुधवार को भारतीय राकेट जीएसएलवी–एस16 से लांच किया जाएगा। निसार के साथ जीएसएलवी–एस16 राकेट श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरेगा और सेटेलाइट को कक्षा में स्थापित करेगा। 2,392 किलोग्राम वजन वाला निसार धरती की निगरानी करने वाला सेटेलाइट है। इसमें नासा की तरफ से तैयार एल–बैंड और इसरो की ओर से विकसित एस–बैंड रडार लगाया गया है, जिन्हें विश्व में सबसे उन्नत माना जा रहा है। इसरो और नासा मिलकर पहली बार ऐसा सेटेलाइट लांच कर रहे हैं जो पूरी धरती पर नजर रखेगा।

'सेटेलाइट से होगा पूरे विश्व को लाभ'

नारायणन ने रविवार को कहा, निसार हर मौसम में 24 घंटे पृथ्वी फोटो खींच सकता है। यह भूस्खलन का पता लगा सकता है, आपदा प्रबंधन में मदद कर सकता है और जलवायु परिवर्तन पर भी नजर रख सकता है। इस सेटेलाइट से भारत, अमेरिका और पूरे विश्व को लाभ होगा। यह पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों की निगरानी के लिए भी महत्वपूर्ण है।

2027 में लॉन्च होगा गगनयान मिशन

भारत के मानव अंतरिक्ष यान मिशन, गगनयान के बारे में नारायणन ने बताया कि इस साल दिसंबर में व्योममित्र नामक मानव राबोट को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।

सम्पादकीय

उद्योगपतियों के भरोसे शिक्षा सुधार

उत्तराखंड में सरकारी शिक्षा को पटरी पर लाने के लिए सरकार के प्रयास जारी हैं हालांकि अभी भी हम जनमानस में सरकारी शिक्षा को लेकर वह विश्वास नहीं बन पाया है जिससे कि इन स्कूलों में छात्र–छात्राओं की संख्या में बढ़ोतरी हो सके। आज भी यही धारणा है कि सरकारी स्कूल नौकरी के लिहाज से तो फायदेमंद है लेकिन जब बात बच्चों को शिक्षा देने की हो तो खुद इन स्कूलों में नौकरी करने वाले अपने बच्चों को इनमें शिक्षा देने का साहस नहीं जुटा पाते हैं। इसके मायने यही है की सरकारी शिक्षा आज भी गुणवत्तापरक नहीं है और भविष्य की बुनियाद को मजबूत बनाने के लिए सरकारी स्कूलों की शिक्षा प्रणाली अभी पूरी तरह से अपनाया नहीं गया है। इधर अब राज्य सरकार सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर और सुविधाओं में सुधार के लिए उद्योगपतियों को आमंत्रित कर रही है जो सरकारी विद्यालयों को गोद लेंगे और यहां आधारभूत संरचनाओं को सक्रिय बनाने में अपना योगदान करेंगे।

सरकार ने 550 सरकारी स्कूलों का लक्ष्य उद्योगपतियों को गोद देने का रखा है जिस पर जल्द ही अनुबंधीय हस्ताक्षर कर लिए जाएंगे। राज्य सरकार ने उत्तराखंड के विभिन्न उद्योग समूहों से वार्ता कर पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है। शिक्षा के आधुनिकीकरण एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण देने के लिये उद्योग जगत के साथ मिलकर एक नई पहल माना जा है लेकिन अभी इसके परिणाम के लिए लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है। यह माना जा सकता है कि यह ठीक उसी तर्ज पर होगा जैसे की पीपीपी मोड पर कुछ स्वास्थ्य केंद्रों को चलाया गया था जो कसौटियों पर खरे नहीं उतरे। उम्मीद अच्छे परिणाम की करनी चाहिए और यही कारण है कि पहाड़ी क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए सूबे के करीब 550 राजकीय प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालयों को कॉरपोरेट समूह से जोड़ा जा रहा है ताकि विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच अवस्थित इन विद्यालयों में सीएसआर फण्ड से अवस्थापना सुविधाओं के साथ–साथ मॉडल क्लास रूम, कम्प्यूटर लैब, साइंस लैब, पुस्तकालय, फर्नीचर, शौचालय, खेल सामग्री, खेल मैदान व चाहरदीवारी आदि सुविधाओं से सुसज्जित किया जा सके। इस पहल के तहत प्रत्येक उद्योग समूह एक प्राथमिक व एक माध्यमिक विद्यालय को गोद लेकर उनमें सभी आधारभूत एंव आधुनिक सुविधाएं मुहैया करायेंगे ताकि पर्वतीय क्षेत्रों के दुर्गम विद्यालयों में अध्ययरत प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं को आज की आवश्यकताओं एवं नई शिक्षा नीति–2020 के उद्देश्यों के अनुरूप बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। सर्व विदित है कि उत्तराखंड में सरकारी शिक्षा पर भरोसा अभी भी नहीं किया जा रहा है और इसका प्रत्येक उदाहरण सरकारी स्कूलों में कम होते छात्रों को देखकर किया जा सकता है जिसके कारण कुछ प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने तक का फैसला सरकार को लेना पड़ा है। उद्योगपतियों की पहल पर यदि उत्तराखंड के दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित कुछ स्कूलों की दशा भी सुधरती है तो राज्य के नोनीहालों के लिए भला इससे अच्छा तोहफा और क्या होगा?

पीढ़ियों का संघर्ष बदलते भारत में बुजुर्गों की चिंताएं

लेखक मनवर लाल भारती
प्रधानाचार्य इंटर कालेज पोखरी अजमीर
विकासखंड दुगड्डा जनपद पौड़ी गढ़वाल

21वीं सदी की नई जीवन शैली और 20 सदी की अन्तिम ढलती उम्र के लोगों के बीच की जीवन शैली का जो संघर्ष वर्तमान समय में परिघटित होता दिखाई दे रहा है, उसने आने वाले भविष्य के लिए ऐसे कई अनगिनत प्रश्न खड़े कर दिए हैं, जिसने हमारे प्रबुद्ध बुजुर्ग वर्ग के बीच बेचैनी पैदा करके उन्हें मूकावस्था में ले गया है।

वे बोलना तो चाह रहे हैं परन्तु बोल नहीं पा रहे हैं, क्योंकि वे अपनी नई पीढ़ी के जीवन को हंसता खेलता हुआ देखना चाहते हैं, ऐसा इसलिए कि उनका जीवन अभावों और कठिन परिश्रम करने में बीता था, परन्तु आज की नई पीढ़ी न तो उतनी परिश्रमी है और न ही उनमें आत्मीयता से परिपूर्ण भावनाओं का दिखाई देना। इस प्रकार की स्थिति ने बुजुर्गों में निराशा और हताशा का भाव पैदा कर दिया है।

इस भाव ने उनमें मजबूरी में जीवन जीने जैसा वातावरण पैदा कर दिया है, जिसे वे सहन नहीं कर पा रहे हैं और तनाव या चुप्पी में अपना जीवन ढोते हुए जैसे नजर आ रहे हैं।

यद्यपि पहले भी ऐसा रहा होगा। इस सम्बन्ध में ज्यादा कहना उचित नहीं होगा, परन्तु अपनी नई पीढ़ी के भविष्य के लिए योजनाएं बनाकर चलना और उन्हें संस्कारवान शिक्षा दिए जाने के लिए उनका निर्णय हमेशा सर्वोपरि होता था जो आज विलुप्त जैसा दिखाई दे रहा है। हर बुजुर्ग को अपना अतीत सुंदर लगता है।

युवाओं को अपना वर्तमान कैसे सुंदर दिखाई दे वे इस उधेड़-बुन में रहते हैं और बच्चों को अपना भविष्य कैसे बहुत अच्छा दिखाई दे वे कल्पनाओं की दुनिया में वह अक्सर डूबे रहते हैं, जो कि उनके स्वभाव में आ जाता है, इस प्रकार भूत, वर्तमान और भविष्य के इस संघर्ष में अक्सर हमारा यह जीवन कई तरह से प्रभावित होता है और हम तालमेल नहीं बना पाते हैं कि कैसे आगे बढ़ा जा सके, क्योंकि तीनों पीढ़ियों का नजरिया अलग-अलग होता है और तीनों अपने अनुकूल एक-दूसरे की सोच को ढालने की प्रबल इच्छा में लगे रहते हैं, परन्तु ये तीनों प्रबल इच्छाएं कैसे एक हों इस तरह की अवधारणा केवल बुजुर्गों में होती है, लेकिन बुजुर्गों को भी सोचना चाहिए कि तुमने जो बाल जीवन और युवा जीवन भोग लिया है उसे भला हमारी ये दो पीढ़ियां कैसे जान पाएंगे, इसलिए बुजुर्गों को ही सोचना चाहिए कि हमने जो दो अवस्थाएं झेल ली हैं यह नई पीढ़ी के लोग भी हमारी तरह जीवन न झेलें। यह भी सोचना चाहिए कि हमने जो भूल की हैं उनके जीवन में वह भूल न हो इसके लिए उनको सावधान करना हम बुजुर्गों का नैतिक कर्तव्य होना चाहिए।

21वीं सदी की जीवन शैली में नई पीढ़ी की जीवन शैली का खान-पान, रहन-सहन, बोली-भाषा, आचार-विचार और वेश-भूषा का जो रूप आज की उपभोक्तावाद की संस्कृति से प्रेरित रेडीमेड है, जिसमें किसी भी प्रकार का ठहराव नहीं है यह सभ्यता और संस्कृति नई पीढ़ी में इतनी तीव्र गति से हावी हो गई है कि कब किस समय बदलती है जीवन शैली हम पर हावी हो जाए, पता नहीं चल रहा है। ऐसी परिस्थितियां भारतीय समाज के बुजुर्गों के लिए अत्यंत कष्टदाई हो गई है, वे समझ नहीं पा रहे हैं कि नई पीढ़ी का बदला हुआ बर्ताव लेकर ये हमसे क्या चाहती हैं। 20 वीं सदी के प्रबुद्ध बुजुर्ग वर्ग राष्ट्र समाज से पूछ सकते हैं कि भारत में परिवर्तन के आकार और विस्तार को वह बौद्धिक प्रतिनिधित्व क्यों नहीं मिल रहा जिसका वह हमेशा से हकदार रहा है।

आज भारत का बुजुर्ग बौद्धिक वर्ग बदलते भारत की नई तस्वीर, जिसमें शहरों के विस्तार में उमड़ना, युवा जन सैलाब जिनकी जिन्दगी मशीन की तरह चालित है जो कम्पनियों के रिमोट से चलता है, इसलिए इनके पास अपनों से और खास तौर पर अपने बुजुर्गों से बात करने की फुर्सत नहीं है, तब हम ऐसे वैश्विक युग में जाकर क्या भारतीय सभ्यता और संस्कृति को बचा सकते हैं, कदापि नहीं। हमारा भारतीय सभ्यता और संस्कृति से अर्थ यह है कि हमें अपनों की आत्मीयता, अपने रिश्तों की पहचान, अपने खान-पान रहन-सहन और वेश-भूषा में रहना अपने ही बुजुर्गों से सीखना चाहिए था, चाहे दुनिया का कोई भी परिवर्तन क्यों ना आ जाए।

बदलाव राष्ट्र समाज के हित में अति आवश्यक

हमारे देश की आजादी में जिन महान क्रांतिकारियों ने भारतीय लोकतंत्र की स्थापना में जिस स्वतंत्रता से जीने का हक दिया था और जिस सामंतवादी प्रथा की अंत ने भारतीय समाज में शोषण और उत्पीड़न की घटनाओं को खत्म किया था तथा समाज में कई प्रकार की संकीर्णताओं में जीने वाली परम्परागत रूढ़िवादी विचारों को खत्म कर उदारवाद की सीमाओं को रेखांकित किया था कि बदलाव राष्ट्र समाज के हित में अति आवश्यक है।

परन्तु आज की हमारी नई पीढ़ी के इस बदलाव ने इनको इतना उलझा कर रख दिया है कि हमारे कई बुजुर्ग अपनों की आत्मीयता के अभाव में वृद्धाश्रम में अपना शेष जीवन मौत की प्रतीक्षा में व्यतीत कर रहे हैं। कभी जब इन्होंने अपनी पीढ़ी के लिए अपने खून पसीने से जो घर बनाए थे आज वे उन घरौंदों की रखवाली में प्रतीक्षारत दृष्टि लगाए बैठे हैं कि कभी न कभी हमारी औलादें हमें देखने-सुनने जरूर आएंगे, पर ऐसा अक्सर सहयोग नहीं बन पा रहा है। इस परिवर्तन की बयार ने अलग ही दिशा की ओर रुख कर दिया है, जिसमें बुजुर्गों का किसी भी प्रकार से आज की नई पीढ़ी से तालमेल नहीं बैठ पा रहा है।

आज का परिर्वतन सांस्कारिक नहीं

आज का परिवर्तन उपभोक्तावाद की संस्कृति और विज्ञान के ज्ञान पर आधारित तो है पर सांस्कारिक नहीं है, फिर भी आज की नई पीढ़ी किसी के पूर्वाग्रहों पर आधारित विचारों में जीवन जीना नहीं चाहती है वे जो भी परम्परा और रीति रिवाज में जीवन जी कर आगे बढ़ रहे हैं, यदि वर्तमान के अनुसार ये परम्पराएं तालमेल नहीं खा पा रही हैं तो आज की नई पीढ़ी उन्हें पीछे धकेलकर अपनी तरीके से जीने के लिए आगे बढ़ रही है, परंतु इनमें कुछ अभी भी रुढ़िवादी संकीर्णताओं से ग्रसित भी हैं, जो भारतीय समाज को कलंकित कर एक ऐसी दिशा की ओर अग्रसर है, जिनका उपयोग कुछ बहुत से स्वार्थी राजनेता अच्छी तरीके से कर रहे हैं, जिससे राष्ट्रीयता में असहिष्णुता का वातावरण निरन्तर अपने पैर पसार रहा है।

नई पीढ़ी को संस्कारिक शिक्षा देने की जरूरत

भारतीय समाज का बौद्धिक वर्ग वर्तमान समय में जिस वैश्विक सांस्कृतिक दृष्टिकोण से अपने आप को शाब्दिक रूप में असहज महसूस कर रहा है, उसमें भारतीय समाज की नई पढ़ी-लिखी पीढ़ी आज अधिकांशतः दुनिया के किसी भी देश में अपने को ढालने में लगी हुई है और जो अपने को बौद्धिक रूप से अक्षम पा रहे हैं या वर्तमान को समझ नहीं पा रहे हैं वह धार्मिक रूढ़िवादिता की चपेट में अपने भविष्य को तबाह कर रहे हैं। हमारी नई पीढ़ी में अधिकांश अपने राष्ट्र के प्रति असंवेदनशील और समाज के प्रति असहिष्णुता का जो दौर चल रहा है इसे रोकने के लिए सर्वप्रथम हमारे बुजुर्ग बौद्धिक वर्ग को वैश्विक सांस्कृतिक में आ रहे बदलाव को व्यापकता के रूप में समझना होगा। एक ऐसी नीति का अनुसरण करना होगा, जिसमें सामाजिक समरता के आधार पर बौद्धिक क्षमता को विकसित करने के लिए पुनः दृढ़ इच्छा शक्ति वाली शिक्षा और शिक्षक तैयार करने होंगे। कहीं ऐसा ना हो कि भारतीय समाज की बुजुर्ग पीढ़ी और नई पीढ़ी के बनते बिगड़ते रिश्तों में हर ही आत्मकथा की कमी से एक ऐसा भारत ना बन जाए जहां हमारे पास रिश्तो की खटास वाली वक्र दृष्टि ही ना रह जाए, इसलिए बौद्धिक बुजुर्ग वर्ग की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि वह नई पीढ़ी में सामाजिक क्षमता और प्रेम बंधुत्व के साथ आत्मीय के रिश्तों की पहचान देने वाली संस्कारिक शिक्षा दे सके।

शक की गुंजाइशें कम नहीं

चुनाव आयोग ने पूरे देश में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू करने के लिए सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को सक्रिय कर दिया है। कुछ विपक्षी दलों व अन्य लोगों ने इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था।

हालांकि जुलाई के अंत तक निर्वाचन आयोग द्वारा राष्ट्रव्यापी पुनरीक्षण पर अंतिम फैसला लेने की भी चर्चा है। अधिकांश राज्यों में 2002 से 2004 के दौरान मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण किया गया था।आयोग की बेवसाइट के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में उपलब्ध सूची 2008 की है, जबकि उत्तराखंड में आखरी गहन पुनरीक्षण 2006 में होने की सूचना है।अवैध विदेशी प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में शामिल होने के विवाद के बाद बिहार में यह बहस गरम हुई। इसी वर्ष बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं, जबकि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु व पश्चिम बंगाल में भी अगले वर्ष होंगे।बूथ स्तर के कर्मचारियों का आरोप है कि घर–घर जाकर की गई जांच में बड़ी संख्या में नेपाल, बांग्लादेश व म्यामांर के अवैध प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में मिले। इस सारी कवायद पर संदेह व्यक्त करने वालों के अनुसार चुनाव आयोग द्वारा मांगे जा रहे दस्तावेज लोगों के पास उपलब्ध नहीं हैं।साठ फीसद से भी कम नागरिकों के पास पक्का मकान है, केवल 14त्न वयस्क दसवीं तक पढ़े हैं। सवाल है, बड़ी संख्या में बिहारी मजदूर रोजगार के सिलसिले में अन्य राज्यों में जा चुके हैं, उनका नाम इस सूची में शामिल करने का जिम्मा कौन लेगा। हाशिए पर खड़े लोग, दलितों, वंचितों व गरीबी रेखा के नीचे गुजार करने वालों से दस्तावेजों की सूची मांगना गैरवाजिब है।

जगदीप धनकड़ का त्यागपत्र, कांग्रेस का रोनाधोना, अरविंद केजरीवाल का मिलना

अजय दीक्षित

क्या दो चार महीनों से पूर्व राष्ट्रपति किसी विशेष उधेड़ बुन में थे कि वे एनडीए के बिना समर्थन के उप राष्ट्रपति बने रहना चाहते थे। कम से कम उनके क्रियाकलाप तो यही इशारा कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और सर्वोच्च सत्ता को चुनौती देना चाहते थे। केंदीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने तो बकायदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस बात की चर्चा की थी क्योंकि जगदीप धनकड़ ने एक सार्वजनिक समारोह में शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में सरकार की कृषि नीति की आलोचना की थी। जगदीप धनकड़ ने जिस दिन त्यागपत्र दिया उससे पहले राज्यसभा में नेता केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा ने और संसदीय कार्य मंत्री श्री किरण जिजउ ने संसद से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आगाह किया कि जगदीप धनकड़ बेलगाम हो गए हैं और पूरे सत्र में सरकार की किरकिरी कराने पर आमादा है। इतना ही नहीं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने उस दिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के राज्यसभा में बिना नियम के सरकार के खिलाफ पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर बोल ने पर आपत्ति की लेकिन जगदीप धनकड़ ने मल्लिकार्जुन खड़गे को नहीं रोका । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेपी नड्डा को कहा कि आप 4 बजे आयोजित बैठक में नहीं जाना । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से संपर्क स्थापित कर सलाह मुशबिरा किया तब तय हुआ कि त्यागपत्र ही उपाय है तब राष्ट्रपति ने जगदीप धनकड़ को बुलाया और वहीं पहले लिखे त्यागपत्र पर राष्ट्रपति भवन में ही हस्ताक्षर कराए।तब तक जगदीप धनकड़ को सम्मानजनक बिदाई की बात समझ में आ गई। जेपी नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री श्री किरण जिजउ उप सभापति हरबंस को उप राष्ट्रपति के कक्ष में ले गए और चार्ज सौंपा ।दरअसल मामला शुरू हुआ राज्यसभा टीवी चैनल से वहां उप राष्ट्रपति कुछ नियुक्ति करना चाहते थे और ये वो लोग थे जो वामपंथी विचारधारा के होकर जगदीप धनकड़ के पुराने मित्र थे। लेकिन खबर लगने पर प्रधानमंत्री कार्यालय ने रोक लगा दी। इस कारण जगदीप धनकड़ ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया।इसी के साथ धनकड़ ने जस्टिस वर्मा को लेकर सुप्रीम कोर्ट को घेरा तो जस्टिस चंद्रचूड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिकायत की।। लेकिन धनकड़ यही नहीं रुके उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज श्री शेखर यादव के खिलाफ पेंडिंग महाभियोग प्रस्तावों को विचार के रखने के लिए राज्य सभा सचिवालय से कहा तो लोकसभा अध्यक्ष ओम विरला ने प्रधानमंत्री को बताया।

इतने पर भी प्रधानमंत्री ने सभी को संयम बरते जाने की सलाह दी और कड़ी निगरानी लगा दी।अब जगदीप धनकड़ ने राज्यसभा के सदस्यों का गणित लगाया कि अगर भारतीय जनता पार्टी महाभियोग प्रस्ताव उनके खिलाफ लाएगी तो तीन चौथाई से पास न हो ऐसा इंतजाम किया जाए।तो उन्होंने अपने तार कांग्रेस पर फेंकेतो कांग्रेस तैयार हो गई। मल्लिकार्जुन खड़गे ने विश्वास दिला दिया कि अगर अरविंद केजरीवाल के दस सदस्य तैयार हो जाते हैं तो महाभियोग प्रस्ताव गिर जाएगा उन्होंने अरविंद केजरीवाल को एक दिन पहले ही घर बुलाया।कुछ आनाकानी के बाद वे भी मान गए।

आतंकवाद कतई बर्दाश्त नहीं

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद, अलगाववाद व उग्रवाद की चुनौती से सख्ती से निपटने के उद्देश्यों पर अडिग रहने का आह्वान करते हुए कहा, भारत आतंकवाद कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। वह बीजिंग में शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में नृशंस आतंकवादी हमले का जिक्रकरते हुए उन्होंने इन तीनों चुनौतियों के अक्सर साथ आने की बात भी की। आतंकियों, प्रायोजकों, आयोजकों व वित्त पोषकों को जवाबदेह बनाने तथा न्याय के कठघरे में लाने की जरूरत पर भी बल दिया। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बल दिया कि अशांत और बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के मद्देनजर संगठन को कुशलतापूर्वक कार्य करना होगा। शी ने क्षेत्रीय सुरक्षा, स्थिरता की रक्षा व सदस्य देशों के विकास की बात भी की।

इस सम्मेलन में दस अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के अतिरिक्त बीस से ज्यादा देशों के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है जिनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन के भाग लेने की भी चर्चा थी। मोदी इसमें शामिल होते हैं तो इसे गलवान गतिरोध के बाद भारत–चीन संबंधों में संभावित परस्परता, संबंधों में सुधार व कूटनीतिक नरमी के संकेत के रूप में लिया जा सकता है। 2023 में मोदी ने इस सम्मेलन में वचरुली शिरकत की थी जबकि बीते वर्ष उनकी अनुपस्थिति को घटते सामरिक महत्व से जोड़ कर देखा गया। हालांकि रूस कभी नहीं चाहता कि ऐसा कोई भी संगठन चीन के प्रभुत्व वाला मंच बन जाए। इसमें पाकिस्तानी, रूसी व ईरानी विदेश मंत्री के भी शामिल होने की संभावनाएं हैं। यह भारत, चीन, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान व बेलारूस का प्रभावशाली आर्थिक व सुरक्षा समूह है। अमेरिका से सीधा दो–दो हाथ करने वाले शी ने परोक्ष रूप से उस पर कटाक्ष करते हुए बहुध्रुवीय वि को बढ़ावा देने व उसकी धौंस का विरोध करने के लिए संयुक्त प्रयासों का भी आह्वान किया। बेश-क, भू–राजनीतिक परिदृश्य में आ रहे बदलावों को देखते हुए रूस व चीन दुनिया के समक्ष अपनी ताकत का मुजाहिरा करने को बेताब हैं।

वॉर 2 के ट्रेलर में सेना की वर्दी पहने दिखीं कियारा आडवाणी

ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर 2 का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसमें उनकी जोड़ी कियारा आडवाणी के साथ बनी है, वहीं जूनियर एनटीआर इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में कदम रख रहे हैं। वॉर 2 का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसमें ऋतिक और एनटीआर का धांसू अवतार दिख रहा है। उधर ट्रेलर के एक दृश्य में कियारा सेना की वर्दी पहने नजर आ रही हैं। इसी के साथ उनके किरदार से पर्दा उठ गया है।

जहां एक ओर कियारा फिल्म में ऋतिक के साथ इश्क फरमाती नजर आएंगी, वहीं दूसरी तरफ उनके एक्शन करने का भी मौका मिला है। कियारा वॉर 2 में काव्या लूथरा की भूमिका निभा रही हैं, जो रॉ की संयुक्त सचिव और कर्नल सुनील लूथरा की बेटी हैं। फिल्म में सुनील लूथरा का किरदार आशुतोष राणा निभा रहे हैं। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म वॉर 2 को 14 अगस्त, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

यशराज फिल्म्स ने दर्शकों को एक नया सिनेमाई अनुभव देने के लिए डॉल्बी लैबोरेटरीज से हाथ मिलाया है। वॉर 2 दुनियाभर के कई देशों में डॉल्बी सिनेमा स्क्रीन पर रिलीज होने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म होगी। इसके अलावा इस फिल्म को हिंदी और तेलुगू भाषा में उत्तरी अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत और दुनियाभर के कई अन्य बाजारों में डॉल्बी सिनेमा साइटों पर रिलीज करने की योजना भी बनाई गई है।

टेस्ट क्रिकेट: 21वीं सदी में इन भारतीय खिलाड़ियों ने अपना पहला शतक इंग्लैंड में लगाया

नईदिल्ली,भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट में अपनी दूसरी पारी में शतक लगाया। यह उनके टेस्ट करियर का पहला शतक रहा। इसके साथ ही वह उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल हुए, जिन्होंने अपना पहला शतक विदेशों में लगाया है। इस बीच 21वीं सदी में उन चुनिंदा खिलाड़ियों के बार में जानते हैं, जिन्होंने अपना पहला शतक इंग्लैंड में खेलते हुए लगाया है। सुंदर ने अपनी दूसरी पारी में 206 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 101 रन बनाए। अपनी इस पारी में उन्होंने 9 चौके और 1 छक्का लगाया। यह उनके प्रथम श्रेणी करियर का कुल तीसरा शतक रहा। उन्होंने रविंद्र जडेजा के साथ मिलकर 203 रन की अटूट साझेदारी की। इन दोनों बल्लेबाजों की पारी की मदद से भारत ने मैनचेस्टर टेस्ट को ड्रॉ कराने में सफलता हासिल की। जडेजा 107 रन बनाकर नाबाद रहे। ऋषभ पंत ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ ओवल के मैदान पर लगाया था। भारतीय विकेटकीपर ने सीरीज के 5वें टेस्ट की अपनी दूसरी पारी में 146 गेंदों में 114 रन बनाए थे। अपनी शतकीय पारी में उन्होंने 15 चौके और 4 छक्के लगाए थे। अपनी पहली पारी में वह दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके थे। उनकी शतकीय पारी के बावजूद भारत को उस मुकाबले में हार मिली थी। अपनी गेंदबाजी का विश्व क्रिकेट में लोहा मनवाने वाले अनिल कुंबले ने भी टेस्ट में 1 शतक लगाया था। साल 2007 में ओवल के मैदान पर हुए मुकाबले में इस पूर्व भारतीय दिग्गज ने अपनी पहली पारी में 193 गेंदों में नाबाद 110 रन बनाए थे। उनकी बदौलत भारत ने अपनी पहली पारी में 664 रन बनाए थे। अपनी दूसरी पारी में उन्होंने नाबाद 8 रन बनाए थे और मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ था। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज अजीत अगरकर ने लॉर्ड्स के मैदान पर शतक लगाया था। उन्होंने 2002 में इस ऐतिहासिक मैदान पर अपनी दूसरी पारी में नाबाद 109 रन बनाए थे। उनके शतक के बावजूद भारत को उस मुकाबले में शिकस्त का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड ने वो मैच 170 रन से जीता था। दिलचस्प रूप से अगरकर ने अपने टेस्ट करियर में सिर्फ 1 बार 50+ रन बनाया और उसे शतक में तब्दील किया।

पैन इंडिया फिल्म मिराई का पहला गाना वाइब उंडी रिलीज़

निर्देशक कार्तिक गट्टामनेनी की बहुप्रतीक्षित आगामी फिल्म मिराई का पहला गाना वाइब उंडी रिलीज कर दिया गया है। गाने में मुख्य जोड़ी के बीच केमिस्ट्री देख प्रशंसक फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हो गए हैं। फिल्म मिराई के मेकर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गाने का वीडियो शेयर कर लिखा, अब जोश से नाचने के लिए तैयार हो जाएं, क्योंकि मिराई का पहला गाना वाइब उंदी रिलीज हो गया है। मिराई अब 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वाइब उंदी एक टेक्नो–बीट गाना है, जिसमें मुख्य जोड़ी तेज सज्जा और रितिका नायक के बीच जबरदस्त केमिस्ट्री नजर आ रही है। हाई–एनर्जी सॉन्ग को प्रसिद्ध गायक अरमान मलिक ने गाया है और इसकी धुन गावरा हरि ने बनाई और बोल कृष्णकांत ने लिखे हैं। ब्लॉकबस्टर फिल्म हनुमान से अपने अभिनय की छाप छोड़ने वाले अभिनेता तेजा सज्जा अब फिल्म मिराई में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह एक हाई ऑक्टेन फिल्म है, जिसका निर्माण प्रसिद्ध प्रोडक्शन हाउस पीपल मीडिया फैक्ट्री कर रहा है। वहीं इसका निर्देशन कार्तिक गट्टामनेनी कर रहे हैं। फिल्म को टी.जी.विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं।

पारिवारिक मनोरंजक फिल्म हीर एक्सप्रेस का ट्रेलर आउट, हीर ने मचाया धमाल

फॅमिली एंटरटेनेरर फिल्म हीर एक्सप्रेस का ट्रेलर रिलीज़ हो गया हैं. यह फिल्म एक लड़की जिसका नाम हीर हैं, उसके इर्दगिर्द घूमती है, जो अपनेसपने पूरे करने के लिए विदेश जाती है। हालांकि वहां पहुंचकर उसको और मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जिन्हे पार कर वह अपने लक्ष्यों कोपाने की कोशिश करती है। ट्रेलर में हीर की उन सभी कठिनाइयों की झलक दिखाई गई है।

इस फिल्म में अभिनेत्री दिविता जुनेजा और प्रीत कमानी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। साथ ही आशुतोष राणा, गुलशन ग्रोवर, संजय मिश्रा औरमेघना मलिक भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म का गाना डोरे–डोरे दिल पे तेरे भी रिलीज किया था। शादी के माहौल परआधारित इस गाने में भारतीय और विदेशी कलाकार प्यार भरी धुनों पर थिरकते नजर आ रहे हैं।

भारत को लगा बड़ा झटका, ऋषभ पंत सीरीज से बाहर

मैनचेस्टर, मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ होने के बाद भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट से विकेटकीपर–बल्लेबाज ऋषभ पंत बाहर हो गए हैं. उनको मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट के दौरान दाहिने पैर में चोट लग गई थी. बीसीसीआई ने रविवार देर रात इसकी पुष्टि की और उनकी जगह तमिलनाडु के विकेटकीपर–बल्लेबाज नारायण जगदीशन को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया है. घरेलू क्रिकेट में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले जगदीशन, ध्रुव जुरेल के बैकअप के रूप में काम कर सकते हैं, जिनके निर्णायक टेस्ट में मुख्य विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालने की उम्मीद है. 29 वर्षीय जगदीशन को रविवार सुबह वीजा मिल गया है और वह मंगलवार तक लंदन में टीम से जुड़ जाएंगे.

इसके बाद क्रिकेट फैंस के मन में सवाल पैदा हो रहा है कि ये जगदीशन कौन है एन जगदीसन तमिलनाडु के ऐसे विकेटकीपर बल्लेबाज हैं जो लगातार दो घरेलू सीजन में रन बनाने की सूची में शीर्ष पर रहे हैं. 2023–24 की रणजी ट्रॉफी में, उन्होंने 13 पारियों में 74.18 की औसत से 816 रन बनाए. इसके बाद उन्होंने 2024–25 में 13 पारियों में 56.16 की औसत से 674 रन बनाए. इसमें दो शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं.

जगदीशन ने 2016 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया. उनका औसत 47.50 है और उन्होंने 79 पारियों में 10 शतकों और 14 अर्धशतकों की मदद से 3373 प्रथम श्रेणी रन बनाए हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 321 रन है.

हेड कोच गौतम गंभीर ने पंत के समर्पण की प्रशंसा की जब वह पैर की अंगुली में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी के लिए उतरे. गंभीर ने मैच के बाद की कॉन्फ्रेंस में कहा, ऋषभ पंत सीरीज से बाहर हो गए हैं.

एक नजर

सीएम के मुख्य सलाहकार बनें बीडी सिंह

देहरादून : चार धाम यात्रा और बीकेटीसी से जुड़े कार्यों के लिए रिटायर आईएएस बीडी सिंह को मुख्यमंत्री का मुख्य सलाहकार बनाया गया है। शासन की ओर से सोमवार को इसके विधिवत आदेश जारी किए गए। बीडी सिंह पूर्व में श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर मंदिर समिति (बीकेटीसी) के सीईओ की जिम्मेदार लंबे समय तक संभाल चुके हैं। उनके इसी लंबे अनुभव को देखते हुए प्रदेश सरकार ने उन्हें दोबारा चारधाम यात्रा और श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के कार्यों के लिए मुख्यमंत्री का मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया है। मुख्य सलाहकार का ये पद अवैतनिक के रूप में को-टर्मिनस आधार पर रहेगा। मुख्यमंत्री की स्वेच्छा या मुख्यमंत्री के कार्यकाल, जो भी पहले हो, तक नियुक्ति प्रदान किए जाने के आदेश किए गए हैं। उन्हें मुख्य सलाहकार के पद पर काम करने को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। श्री बदरीनाथ धाम और केदारनाथ धाम के तीर्थ पुरोहित समाज समेत बीकेटीसी कर्मचारी संघ ने भी उनकी तैनाती पर सीएम पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया। आभार जताने वालों में बीकेटीसी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष विजेंद्र बिष्ट, सचिव भूपेन्द्र रावत, उपाध्यक्ष रविंद्र भट्ट, पारेश्वर त्रिवेदी शामिल रहे। (एजेंसी)

ढुंगीधार में डंपिंग जोन बनाने की मांग की

नई टिहरी। नगर पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने जिलाधिकारी से पालिका को डंपिंग जोन आवंटित करने की मांग की है। अवगत कराया कि ढुंगीधार में वन विभाग की खाली पड़ी भूमि पर पालिका को डंपिंग जोन बनाने की अनुमति दी जाए। रावत ने बताया कि नगर क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग भवन निर्माण सहित अन्य निर्माण कार्य करा रहे हैं। लेकिन डंपिंग जोन न होने से मिट्टी, पत्थर सहित, बालू आदि सामग्री को डंप करने की कोई जगह नहीं है। लोग बेतरतीब तरीके से सड़क, नालों और खाली स्थानों पर यह मलबा डाल देते हैं। बारिश के कारण यह मलबा सड़कों पर नालियों में भर जाता है। जिससे आए दिन नालियां बंद होने से बरसात का पानी सड़कों को खराब कर देता है। इस संबंध में बीते सप्ताह एडीएम और वन विभाग के एसडीओ ने भी साइट विजिट किया था। उन्होंने डीएम और डीएफओ टिहरी से जनहित को देखते हुए ढुंगीधार में डंपिंग जोन के लिए भूमि आवंटित करने की मांग की है।

नियमित योग से बीमारियों से मिलती है मुक्ति

नई टिहरी। हिमालय इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट जौलीग्रांट भानियावाला के रूरल एंड डेवलपमेंट विभाग के छात्रों ने पीजी कॉलेज नई टिहरी के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के स्वयंसेवकों को योग का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान योग की विभिन्न क्रियाओं और योगासन की जानकारी दी गई। बताया गया कि नियमित योग करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है और व्यक्ति अनेक बीमारियों से मुक्त हो सकता है। एनएसएस अधिकारी डॉ. आशा डोभाल ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन ग्रामीण विकास संस्थान की प्रबंधक नीलम पांडेय एवं योग संयोजक लीला उनियाल के मार्गदर्शन में किया गया।

छात्राओं को योग की बारीकियों से अवगत कराते हुए यह संदेश दिया गया कि योग को जीवनशैली में शामिल करना आवश्यक है। कार्यक्रम के बाद पौधरोपण कर सभी ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली। इस अवसर पर रुचि रावत, शिवानी पंवार, अनिता भंडारी, आरती, दीपशिखा, ऐश्वर्या, तुलसी समेत अन्य उपस्थित थे।

डीएम ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

नई टिहरी। जिला निर्वाचन अधिकारी (डीएम) नितिका खंडेलवाल ने सोमवार को जनपद टिहरी के विकासखंड चम्बा क्षेत्रान्तर्गत के विभिन्न मतदान केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर मतदान प्रक्रिया व व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बूथ संख्या 95 राजकीय प्राथमिक विद्यालय दिखोलगांव, मनियार, बूथ संख्या 97 के राजकीय प्राथमिक विद्यालय गुल्डी, बूथ संख्या 105, 106, 107 के राजकीय प्राथमिक विद्यालय देवताधार, बूथ संख्या 29 के ग्राम पंचायत कोटिगाड़, बूथ संख्या 21 के प्राथमिक विद्यालय बांगासुधार (उदयकोट), राजकीय जूनियर विद्यालय जुगड़गांव (तंगला) के मतदान केन्द्रों में मतदान प्रक्रिया की व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण संचालित होना उन्होंने पाया। इस दौरान एसएसपी आयुष अग्रवाल सहित तमाम निर्वाचन सम्बंधी अधिकारी मौजूद रहे।

कर्तव्य के साथ करुणा का परिचय दिया निर्वाचन ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मी ने

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : सोमवार को जनपद पौड़ी गढ़वाल के सात ब्लॉकों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव दूसरे चरण के लिए मतदान शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में पुलिस कर्मी न केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने में जुटे हैं, बल्कि बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया में उनकी मदद कर रहे हैं।

सोमवार को जनपद पौड़ी गढ़वाल के कोट, कल्जीखाल, पौड़ी, जयहरीखाल, द्वारीखाल, यमकेश्वर और दुगड्डा ब्लॉकों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव दूसरे चरण के लिए मतदान हुआ। जिले के सात ब्लॉकों में आने वाली जिला पंचायत की 16 सीटों सहित बीडीसी की 151 और ग्राम प्रधान की 466 सीटों के लिए मतदान हुआ। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों द्वारा न केवल सुरक्षा व्यवस्थाओं का सतत रूप से पालन करवाया गया, बल्कि पुलिस कर्मियों मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए वृद्ध, असहाय एवं दिव्यांग मतदाताओं की भी यथासंभव सहायता की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह ने बताया कि जनपद के विभिन्न मतदान केंद्रों पर ऐसे मतदाता जो चलने-फिरने में असमर्थ हैं, बुजुर्ग हैं या जिनके साथ कोई सहयोगी नहीं है, उन्हें पुलिस कर्मियों द्वारा सहारा देकर मतदान केंद्र लाने व वापस घर भेजने में मदद की गई।

जवानों के इस सहयोगात्मक व्यवहार से जहां इन मतदाताओं को सुविधा मिली है, वहीं जवानों द्वारा भी इस लोकतंत्र की प्रक्रिया में सकुशल रूप से अपनी भूमिका निभाई गई।

नॉर्थ कार्बेट रिजॉर्ट के संचालन की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वार्ड नंबर-7 कौड़िया के पार्षद सुभाष पांडे ने नॉर्थ कार्बेट रिजॉर्ट के संचालन की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी से मुलाकात की। पार्षद ने कहा कि पूर्व में साजिश के तहत रिजॉर्ट में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। उन्होंने सांसद से इस मामले का गंभीरता से संज्ञान लेने का आग्रह किया। मुलाकात के दौरान पार्षद ने गढ़वाल सांसद को बताया कि पहले गढ़वाल मंडल विकास निगम ने फ्लशडोर फैक्टरी के संचालन के लिए सेना से करीब 9 एकड़ भूमि लीज पर ली थी। वर्तमान में यह भूमि पर्यटन विभाग के पास है और एडीबी के सहयोग से पर्यटन विभाग ने यहां नॉर्थ कार्बेट रिजॉर्ट बनाया हुआ है। पार्षद ने आरोप लगाते हुए कहा कि ठेकेदार और निगम की मिली भगत से साजिश के तहत पूर्व में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया और सरकार को करोड़ों रुपये का चूना लगाया गया।

पंचायत विकास का मूल आधार : बलूनी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : सोमवार को पौड़ी जिले के सात ब्लॉकों में पंचायत चुनावों को लेकर सोमवार को दूसरे चरण के लिए मतदान हुआ। सांसद गढ़वाल एवं भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी ने अपने बूथ कोट ब्लॉक के तहत प्राइमरी स्कूल खोला में मतदान किया। सांसद ने अपने अभियान अपना वोट, अपने गांव अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि इस प्रयास से सूने पहाड़ एक फिर से जीवंत हो रहे हैं। कहा कि आने वाले समय में अपना वोट, अपना गांव जैसे अभियान को और गति दी जाएगी, ताकि यहां के गांवों में एक बार फिर से रौनक लौटे। सांसद गढ़वाल ने मतदान करने के बाद आम लोगों से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील करते हुए कहा कि ग्राम स्वराज के लिए लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने में अपना सहयोग दें। कहा कि मेरे लिए यह महत्वपूर्ण दिन है, आज बड़ी संख्या में प्रवासी अपने गांवों में आ रहे हैं, गांव रोशन हो रखे हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह से समय-समय पर लोग अपने गांव आएं और यहां के त्योहारों में भी शामिल हों। उत्तराखंड बनाने की जो मूल भावना थी उसे भी आज बल मिल रहा है। मतदान करने के बाद बलूनी अपने पैतृक गांव नकोट पहुंचे और यहां अपनी चाची के साथ परिजनों का आशीर्वाद लिया। बलूनी ने कहा कि पंचायत हमारे विकास का मूल आधार है और आज मतदान को लेकर लोगों में उत्साह देखा गया। इसके बाद सांसद ने अपने घर पर भोजन किया। इस मौके पर पार्टी के जिलाध्यक्ष पौड़ी कमल किशोर रावत, प्रदेश प्रवक्ता विपिन कैंथोला, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय बलूनी सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी और परिजन मौजूद रहे।

गांव की सरकार बनाने को लेकर मतदाताओं में दिखा उत्साह

मतदान केंद्र में वोट डालने के लिए लाइन में खड़ी महिलाएं।

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिले में दूसरे चरण के मतदान में हल्की बारिश के बावजूद मतदाताओं में गांव की सरकार बनाने को लेकर उत्साह देखने को मिला। विभिन्न बूथों पर सुबह से ही युवाओं, बुजुर्गों, दिव्यांग मतदाताओं ने वोट डाला। जिले में सोमवार को 7 ब्लॉक में दूसरे चरण का मतदान हुआ। दूसरे चरण में जिले के सात ब्लॉकों में जिला पंचायत सदस्य से लेकर बीडीसी और ग्राम प्रधानों के लिए चुनाव संपन्न हो गए।

सोमवार को पौड़ी जिले के कोट, कल्जीखाल, पौड़ी, जयहरीखाल, द्वारीखाल, यमकेश्वर और दुगड्डा ब्लॉकों में वोटिंग हुई। बूथों पर हल्की बारिश के बावजूद मतदाताओं की भीड़ रही। कल्जीखाल ब्लॉक के राप्रावि डांगी में पहली बार वोट डालने आए युवाओं ने सभी से अधिक से अधिक मतदान करते हुए लोकतंत्र को मजबूत करने की बात कही।

युवाओं का कहना था कि पहली बार वोट डालने के लिए वह काफी दिनों से इंतजार कर रहे थे। पहले चरण में हुआ था 59.58 फीसदी मतदान पौड़ी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तहत सोमवार को दूसरे चरण में जिले के 7 ब्लॉकों में मतदान प्रक्रिया की गई।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधा रोपण करना अति आवश्यक

यूनिकस अकादमी में रोपे पौधे, संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रोटरी क्लब व इनरव्हील क्लब कोटद्वार के संयुक्त तत्वावधान मे हरेला पर्व के अन्तर्गत दूसरे चरण में यूनिकस अकादमी हल्दूखाता कोटद्वार में पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में मोरपंखी, आंवला, कनेर, सावनी, बोगन बेलिया, सागवान सहित विभिन्न प्रकार के फलदार व छायादार पौधे रोपे गये। साथ ही रोपे गये पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया।

सोमवार को विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर निगम मेयर शैलेन्द्र सिंह रावत ने किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमें जीवन प्रदान करते है। हमें अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए तथा लगाये गये पौधों की देखभाल का प्रण लेना चाहिए। उन्होंने रोटरी क्लब के कार्यों की सराहना करते हुए कोटद्वार नगर को स्वच्छ बनाने मे सहयोग करने की अपील की। रोटरी अध्यक्ष ऋषि ऐरन ने कहा कि पौधा रोपण करना पर्यावरण संरक्षण के लिये अति आवश्यक है। इस अवसर पर यूनिकस अकादमी के प्रधानाचार्य मान सिंह सुब्बा, निदेशक अभय रावत, इनरव्हील अध्यक्ष शिल्पी अग्रवाल, संयोजक धीरजधर बछवाण, विपिन बक्शी, वाईपी गिलरा ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन सचिव विजय कुमार ने किया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष धनेश अग्रवाल, उपसचिव वीना रावत, अमित अग्रवाल, दिनेश चन्द्रा, कुलदीप अग्रवाल, केएस नेगी, प्रतिभा गुप्ता, मनीष अग्रवाल, अनुराग अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, नरेन्द्र गोयल, भुवनेश कुंज, ज्योति स्वरूप उपाध्याय, दीपक भाटिया, उमंग मित्तल, इनरव्हील क्लब की अध्यक्ष शिल्पी अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल, कविता अग्रवाल, शालिनी माहेश्वरी, पूजा अग्रवाल, सीमा उपाध्याय, यामिनी रावत आदि मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पंचायत चुनाव के तहत सोमवार को आयोजित दूसरे चरण में मतदान प्रक्रिया का जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने निरीक्षण कर जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कोट और पौड़ी ब्लॉक के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।

कहा कि मतदान प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मतदाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि यदि कहीं आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन दिखे तो तुरंत प्रशासन को सूचना दे।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी ने मतदाताओं से बातचीत करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की। कहा कि मतदाता अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर लोकतंत्र के सशक्तिकरण में योगदान दें। सोमवार को निरीक्षण करते हुए डीएम ने पौड़ी के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पाबौ मल्ला, कोट ब्लॉक के राजकीय प्राथमिक विद्यालय जामलाखाल, राजकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कठुड़ में बूथों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। कहा कि मतदान समाप्ति के बाद तुरंत जानकारी कंट्रोल रूम को दी जाए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार दीवान सिंह राणा, बीडीओ कोट अमित विजल्वाण आदि मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी मतदान केंद्र का निरीक्षण करते हुए।

शहर की समस्याओं के निराकरण की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नागरिक मंच के पदाधिकारियों ने गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी से मुलाकात कर कोटद्वार में पीजीआई की स्थापना, कंडी रोड के जल्द निर्माण सहित विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग की। मंच के सदस्यों ने सांसद को बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने चिल्लरखाल और लालढांग के बीच सात किलोमीटर हिस्से पर रोक लगा रखी है। जिससे इसका डामरीकरण न होने से लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नागरिक मंच के महासचिव अतुल भट्ट ने ज्ञापन देते हुए कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी के कारण बेस अस्पताल रेफरल सेंटर बना हुआ है। क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दिल्ली व देहरादून की दौड़ लगानी पड़ रही है। कहा कि गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार से जम्मूतवी, मुंबई, कोलकाता समेत देश के मुख्य शहरों के लिए सीधी ट्रेनों की सुविधा नहीं है। उन्होंने कहा कि कोटद्वार-कालागढ़-रामनगर मार्ग (कंडी रोड) का निर्माण दशकों से रुका है। मामले की सशक्त पैरवी कराकर कंडी रोड का निर्माण जल्द कराया जाना चाहिए।

संघ ने नियमावली निरस्त करने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : राजकीय शिक्षक संघ ने उत्तराखंड राज्य शैक्षिक (अध्यापन संवर्ग) राजपत्रित सेवा नियमावली 2022 में संशोधन किए जाने पर नाराजगी जताई है। संघ ने नियमावली को निरस्त करने और प्रधानाध्यापक और प्रधानाचार्य के पदों पर शतप्रतिशत पदोन्नति के लिए कार्रवाई करने की मांग उठाई है। संघ का आरोप है कि इस नियमावली के बनने से विभाग में शिक्षकों के लिए प्रमोशन के अवसर खत्म हो जाएंगे।

राजकीय शिक्षक संघ के मंडलीय मंत्री डा. हेमंत पैन्यूली ने प्रांतीय कार्यकारिणी को भेजे गए ज्ञापन में कहा है कि वीते दिनों उत्तराखंड राज्य शैक्षिक (अध्यापन संवर्ग) राजपत्रित सेवा नियमावली 2022 में संशोधन प्रस्ताव कर कैबिनेट ने सभी प्रस्ताव स्वीकृत कर दिए हैं। कहा कि संघ इस नियमावली का विरोध करते हुए प्रधानाचार्य के सभी 1386 पदों पर शत प्रतिशत पदोन्नति की मांग करता है। कहा कि वर्तमान में प्रदेश में प्रधानाचार्य के 1386 पद स्वीकृत हैं जो कि शतप्रतिशत पदोन्नति से ही भरे जाते हैं।

कहा कि शतप्रतिशत पदोन्नति से सरकार पर कोई भी व्यय भार नहीं पड़ेगा। पहले सरकार द्वारा पूर्व में शैक्षिक एवं प्रशासनिक संवर्ग बनाकर शिक्षकों के लिए विभाग में पदोन्नति के अवसरों को खत्म कर दिया गया है अब इस नियमावली के बनने से विभाग में शिक्षकों के लिए प्रमोशन के अवसर खत्म हो जाएंगे। उन्होंने प्रांतीय कार्यकारिणी से इस मुद्दे पर तत्काल मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री से वार्ता कर उक्त नियमावली को निरस्त करवाने और प्रधानाध्यापक, प्रधानाचार्य के पदों पर शतप्रतिशत पदोन्नति के लिए कार्रवाई करने की मांग उठाई है।

50 से अधिक गांवों को बिजली की समस्या से मिलेगी निजात

श्रीनगर गढ़वाल : कीर्तिनगर ब्लॉक के सेमला गांव में बन रहे 33 केवी सब स्टेशन का कार्य अंतिम चरण में है। ऊर्जा निगम द्वारा लाइन टेस्टिंग और लोपिंग-चोपिंग का कार्य किया जा रहा है। जल्द ही अकरी, बारजुला, डागर और कड़ाकोट पट्टी के करीब 50 से अधिक गांवों को बिजली की समस्या से निजात मिलेगी। अभी तक बिजली लाइन में बार-बार फॉल्ट आने और तेज हवा आने पर बिजली बाधित होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। समस्या को देखते हुए देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी की पहल और ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक सेमला गांव में 33 केवी सब स्टेशन का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। अकरी, बारजुला और डागर पट्टी के गांवों में विद्युत आपूर्ति के लिए 9 करोड़ 56 लाख रुपये की लागत से 33 केवी सब स्टेशन का निर्माण कार्य वर्ष 2024 में शुरू हुआ था, जिसके अंतर्गत दो फेस में कार्य होना था। सिविल फेस का कार्य पूर्ण हो गया है। हालांकि अभी एक फीडर लगना बाकी है। सब कुछ ठीक रहा तो अगस्त माह के अंतिम सप्ताह तक सब-स्टेशन की सुविधा कीर्तिनगर के अकरी, बारजुला, डागर और कड़ाकोट पट्टी के गांवों को मिलनी शुरू हो जाएगी। (एजेंसी)

विधिक सेवा क्लीनिकों का उद्घाटन किया

नई टिहरी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान नालसा वीर परिवार सहायता योजना 2025 शुरू की। जिसको लेकर उच्चतम न्यायालय के जज व राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सूर्यकांत ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर समेत अन्य सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य सैनिक बोर्ड, जिला सैनिक कल्याण बोर्ड में विधिक सेवा क्लीनिकों का वर्चुअल उद्घाटन किया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टिहरी के सचिव जज आलोक राम त्रिपाठी की अध्यक्षता में इस वर्चुअल कार्यक्रम का प्रसारण नगर पालिका सभागार बौराड़ी में किया गया।

कोटद्वार महाविद्यालय की छात्रा श्वेता और अंकिता राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान (एन.आई.एस.एम.) मुंबई द्वारा आयोजित नॉर्थ जोन स्तरीय राष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता-2025 में डॉ पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार की छात्रा श्वेता बेंजवाल व अंकिता नेगी का चयन राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। छात्र-छात्राओं की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं ने हर्ष व्यक्त किया है।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी.एस. नेगी ने बताया कि एन.आई.एस.एम. द्वारा छात्र-छात्राओं को स्टॉक मार्केट की जानकारी देने हेतु माह सितंबर 2024 में महाविद्यालय के कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल एवं आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वावधान में 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। जिसमें 107 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया था। इसके पश्चात कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल की संयोजक डॉ. ऋचा जैन, आई.क्यू.ए.सी. के संयोजक डॉ. प्रवीन जोशी एवं अर्थशास्त्र के विभाग प्रभारी डॉ. भगवत सिंह रावत के निर्देशन में छात्र-छात्राओं को इस नॉर्थ जोन स्तरीय राष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हेतु तैयारी करवाई गई थी, जिसमे स्नातक स्तर पर नंदिनी गुप्ता (बीकॉम) एवं कपिल कुमार (बीएड), स्नातकोत्तर स्तर पर एमए अर्थशास्त्र की छात्रा श्वेता बेंजवाल व अंकिता नेगी का चयन महाविद्यालय स्तर पर हुआ था। कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल की संयोजक डॉ. ऋचा जैन ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता गत दिवस 26 एवं 27 जुलाई को एमिटी यूनिवर्सिटी गुरुग्राम में आयोजित की गई, जिसमें नॉर्थ जोन की 55 टीमों ने प्रतिभाग किया था।

प्रतियोगिता में स्नातकोत्तर स्तर पर एम.ए. अर्थशास्त्र की छात्रा श्वेता बेंजवाल व अंकिता नेगी ने अपने ज्ञान का परिचय देते हुए अंतिम चरण की बाधा पार करते हुए उच्च स्तर हेतु चयनित हुए हैं, अब ये छात्राएं राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी।

धर्मांतरण कानून को और सख्त बनाने को तत्काल कदम उठाएं : धामी

ऑपरेशन कालनेमि की निगरानी के लिए पुलिस मुख्यालय स्तर पर गठित होगी एसआईटी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में धर्मांतरण कानून को और सख्त बनाते हुए, जरूरी कदम भी उठाने के निर्देश दिए हैं। कहा कि प्रदेश में हो रही घटनाओं को देखते हुए, धर्मांतरण कानून को और सख्त बनाए जाने की दिशा में तत्काल कदम उठाए जाए।

सोमवार को सचिवालय में उच्चाधिकारियों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड सीमांत प्रदेश होने के साथ ही सनातन की पुण्य भूमि भी है। इसलिए यहां डेमोग्राफी में बदलाव की किसी भी कोशिश को सख्ती से रोका जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस इस तरह की संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखे। धर्मांतरण कराने वाले तत्वों के जाल में फंसे लोगों को उचित परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन कालनेमि भी ऐसे तत्वों पर लगाम लगाने में सफल रहा है। इस मुहिम को आगे भी चलाए जाने की जरूरत है, इसलिए पुलिस मुख्यालय के स्तर पर, इसकी निगरानी के लिए एसआईटी का गठन किया जाए।

नीलकंठ महादेव मंदिर में लाखों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सावन के सोमवार पर जिले के नीलकंठ महादेव मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंचे। शाम साढ़े 4 बजे तक करीब 5 लाख श्रद्धालु जलाभिषेक कर चुके थे। मंदिर में श्रद्धालु की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने रविवार से ही अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया था।

सोमवार को नीलकंठ मंदिर में उत्तराखंड के अलग-अलग हिस्सों सहित यूपी के बदायूं, लखीमपुर खीरी, बरेली, पीलीभीत और मुरादाबाद आदि शहरों से श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंचे। नीलकंठ में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी लाइन रात 12 बजे से ही लगनी शुरू हो गई थी। शाम साढ़े 4 बजे तक करीब 5 लाख श्रद्धालु जलाभिषेक कर चुके थे। लक्ष्मणझूला के थाना प्रभारी संतोष पैंथवाल ने बताया कि श्रद्धालुओं की मंदिर से पहले ही करीब 800 मीटर लंबी लाइन लग गई थी। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां जलाभिषेक के लिए पहुंच रहे है। रात से ही विभिन्न जगहों से श्रद्धालु मंदिर में जलाभिषेक के लिए लाइन में लग जाते है।

कार्यालय तहसीलदार कोटद्वार गढ़वाल

संख्या-166/रा0ले0/2024-25
दिनांक कोटद्वार जुलाई 28, 2025।

प्रेस विज्ञप्ति

जमानती महेन्द्र सिंह उर्फ मुन्नू पुत्र जय सिंह निवासी शिवराजपुर मोटाढाक तहसील कोटद्वार के द्वारा जमानत की धनराशि (तीस हजार रूपये) का भुगतान जमा न होने के फलस्वरूप बाकीदार के वारिसानों के नाम दर्ज शिवराजपुर मोटाढाक तहसील कोटद्वार के खाता खतौनी संख्या 422 खेत सं0 102 मध्ये 12.20 वर्गमीटर भूमि जिसका मूल्यांकन रू0 30012.00 (तीस हजार बारह रूपये) है जिसकी नीलामी दिनांक 30.07.2025 को की जानी है। बोलीदाता उक्त तिथि से पूर्व नीलामी शर्तों के सम्बन्ध में तहसील कोटद्वार में आकर सम्पर्क कर सकते है।

तहसीलदार
कोटद्वार
(1127/21)

संक्षिप्त समाचार

सरकार की लापरवाही का नतीजा है हरिद्वार में भगदड़ की घटना: जोशी

देहरादून। कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री नवीन जोशी ने कहा कि हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर मार्ग पर भगदड़ की घटना सरकार की लापरवाही का नतीजा है। उन्होंने कहा कि इस घटना ने सरकार की भीड़ प्रबंधन में विफलता को एक बार फिर उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा कि हरिद्वार धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु आते हैं। ऐसी जगहों पर आपातकालीन व्यवस्था, बिजली सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, मेडिकल सहायता और प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मियों की तैनाती सरकार की जिम्मेदारी होती है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि धामी सरकार इन व्यवस्थाओं में हर बार विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस त्रासदी को केवल दुर्घटना मानने को तैयार नहीं है, यह एक पूर्व नियोजित प्रशासनिक असावधानी और चेतावनियों की उपेक्षा का परिणाम है।

अखिल भारतीय शिक्षा समागम में उत्तराखंड के पांच शिक्षक शामिल होंगे

देहरादून। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पांचवीं वर्षगांठ पर दिल्ली में होने वाले अखिल भारतीय शिक्षा समागम में उत्तराखंड के पांच शिक्षक राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। आज भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किए जा रहे समागम का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। समागम में शिक्षक उत्तराखंड में शिक्षा के क्षेत्र में किए गए अपने नवाचारों को रखेंगे। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की ओर से राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों को समागम के लिए चयनित किया गया है। इनमें एससीईआरटी के रमेश प्रसाद बडोनी, राजकीय इंटर कॉलेज पौड़ी के दौलत सिंह गुसाईं, डायट देहरादून के राखी पांडे, राजकीय इंटर कॉलेज प्रतापपुर नैनीताल कौस्तुब जोशी, राजकीय प्राथमिक विद्यालय बीना, चमोली की कुसुमलता गड़िया शामिल हैं। समागम के लिए चयनित शिक्षकों की उत्तराखंड में शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, डिजिटल परिवर्तन, समावेशी शिक्षा और नीति–निर्माण में अहम भूमिका रही है।

शहर में पानी की किल्लत, देहात में बिजली कटौती से परेशान रहे लोग

हरिद्वार। उत्तरी हरिद्वार में करीब पांच हजार की आबादी को 21 घंटे तक पानी नहीं मिला। पानी सप्लाई की मोटर खराब होने की वजह से क्षेत्र में पानी की आपूर्ति ठप हो गई थी। वहीं ग्रामीण क्षेत्र पथरी में करीब 20 हजार की आबादी को दिन में बिजली कटौती से जूझना पड़ रहा है। सोमवार को देहात क्षेत्र के लोग दिन में छह घंटे की बिजली कटौती से परेशान रहे। आगामी आठ अगस्त तक ग्रामीण बिजली कटौती से प्रभावित रहेंगे। धर्मनगरी के उत्तरी हरिद्वार कृष्णा गली में जल संस्थान के पंपिंग स्टेशन पर लगी मोटर रविवार शाम पांच बजे खराब हो गई। मोटर खराब होने के बाद क्षेत्र की कृष्णा गली, हिल बाईपास, गंगाधर महादेव नगर, रामगढ़ में पानी की सप्लाई बंद हो गई। पानी की सप्लाई बाधित होने के बाद रात के समय 05 हजार की आबादी को पानी की किल्लत से जूझना पड़ा।

अतिक्रमण का खेल वर्षों से बदस्तूर जारी

हरिद्वार। मनसा देवी मंदिर मार्ग पर अतिक्रमण का खेल वर्षों से बदस्तूर जारी है। अवैध कब्जों पर रोजाना 700 से 1500 रुपये तक किराया वसूला जा रहा है। कब्जा किसी का है और दुकानें कोई और चला रहा है। मंदिर मार्ग पर भगदड़ वाले दिन भी दुकानदारों से किराया वसूला गया। यही हाल चंडी देवी मंदिर के पास का है, फर्क सिर्फ इतना है कि वहां किराए की दरें थोड़ी कम हैं। मंदिर मार्ग पर सजी ये दुकानें पूरी तरह से अवैध हैं। नगर निगम की इन पर कोई स्वीकृति नहीं है, न ही राजाजी टाइगर रिजर्व पार्क की कोई अनुमति। बावजूद इसके रोजाना मोटी रकम बतौर किराया वसूली जा रही है।

बिना बारिश घुटनों तक जलभराव, राहगीरों को हो रही रोजाना परेशानी

हरिद्वार। सजनपुर पीली के बाहर पीली गांव की मुख्य सड़क पर बिना बारिश के भी घुटनों तक पानी जमा है। स्कूल जाने वाले बच्चों, शिक्षकों और ग्रामीणों को रोजाना आने–जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राजकीय प्राथमिक विद्यालय से लगभग 20 से 25 मीटर की दूरी पर मुख्य सड़क पर जलभराव की स्थिति बनी हुई है। प्रधानाध्यापिका नीलम मलिक ने बताया कि कुछ दिन पूर्व वह इसी जलभराव में फिसलकर गिर गई थीं, जिससे उन्हें हल्की चोट आई और कपड़े भी भीग गए।

पंचायत चुनाव : दूसरे चरण में 63.32 फीसदी हुआ मतदान

यमकेश्वर ब्लॉक में हुआ सर्वाधिक 69.30 मतदान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दूसरे चरण में 7 विकासखण्डों के 548 मतदान केंद्रों पर कुल 195681 मतदाताओं में से 123483 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिसमे 62378 महिला मतदाता व 61105 पुरुष मतदाता शामिल है। इस प्रकार मतदान प्रतिशत 63.32% रहा। सर्वाधिक मतदान प्रतिशत विकासखण्ड यमकेश्वर का 69.30% रहा।

त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2025 के तहत दूसरे चरण में शामिल जनपद के सभी सात विकासखण्डों के मतदान केंद्रों पर मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया है। पौड़ी जिले के सात ब्लॉकों में सोमवार को गांव की सरकार बनाने के लिए मतदान हुआ। सोमवार को पौड़ी जिले के कोट, कल्जीखाल, पौड़ी, जयहरीखाल, द्वारीखाल, यमकेश्वर और दुगड्डा ब्लॉकों में मतदान हुआ। जनपद पौड़ी के सात विकासखंडों में 633 पदों पर 1843 प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटियों में कैद हो रहा है। जिले के 7 ब्लाकों में कुल 1 लाख 95 हजार 681 मतदाता कर रहे हैं मतदान। जनपद पौड़ी में सुबह 2 बजे तक 48.5 फीसदी हुआ है मतदान। विकासखंड यमकेश्वर में दिन चढ़ने के साथ मतदान प्रतिशत में तेजी आई और यहां सबसे ज्यादा 53.5 प्रतिशत मतदान रहा। विकासखंड जयहरीखाल में मतदान की रफ्तार धीमी होने पर सबसे कम 41.3 प्रतिशत मतदान हुआ है। मतदान को लेकर सुबह से ही पोलिंग बूथों पर लंबी लाइनें लगने लगीं।

दिन चढ़ने के साथ ही मतदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। युवाओं से लेकर बुजुर्ग और दिव्यांग भी पूरे जोश के साथ मतदान केंद्रों पर पहुंचे और लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़ चढ़कर भारीदारी निभाई।

विकासखण्डवार मतदान प्रतिशत सूचना

ब्लॉक का नाम	मतदान प्रतिशत
पौड़ी	64.11
कोट	57.77
कल्जीखाल	58.44
द्वारीखाल	60.01
दुगड्डा	67.63
यमकेश्वर	69.30
जयहरीखाल	64.96
कुल मतदान	63.32

पंचायत चुनाव में मतदान को लेकर ग्रामीणों में उत्साह

पंचायत चुनाव : कल्जीखाल ब्लॉक में शांति पूर्वक सम्पन्न हुआ मतदान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विकासखंड कल्जीखाल की 87 ग्राम पंचायतों के लिए मतदान शांति पूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रवासी वोटर भी भारी संख्या में मैदान से पहाड़ चढ़ते दिखाई दिए। दिन भर रुक-रुक कर हो रही बारिश के वाबजूद वोटरों में भारी उत्साह देखा गया, वहीं कई स्थानीय मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से गायब मिले, जिसको लेकर मतदाताओं में भारी नाराजगी देखी गई।

ग्राम पंचायत गढ़कोट में सबसे बुर्जुग मतदाता सत्ते सिंह नेगी 96 साल के मतदान केंद्र में अपना मत का प्रयोग करने पहुंचे। वहीं ग्राम पंचायत थापला में 92 साल की बुजुर्ग मतदाता भूइंद्री देवी मतदान केंद्र में अपना वोट डालने पहुंची। वहीं ग्राम पंचायत डांगी में पहली बार सारिका, वृंदा, काशिश, कंचन, कुणाल ने अपने मत का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबूत करने में अपनी भागीदारी निभाई। डांगी मतदान केंद्र में जिला पंचायत और क्षेत्र पंचायत आरक्षित महिला प्रत्याशियों के अभिकर्ता भी बालिकाएं ही थी। मतदाता सूची से कई स्थानीय मतदाताओं के नाम गायब मिले, जबकि प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में बरकरार थे। जनपद पौड़ी के प्राथमिक शिक्षक संगठन के जिलाध्यक्ष मनोज जुगरान ने बताया कि वह ग्राम पंचायत आसूई के अंतर्गत ग्राम धूरा के निवासी है। अपनी सेवाएं भी कल्जीखाल विकासखंड में दे रहे है। फिर भी मतदाता सूची में उनका नाम गायब है, जो कि निर्वाचन अधिकारियों की बहुत बड़ी लापरवाही है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की अनियमिताएं के खिलाफ वह संबंधित विभाग के खिलाफ कार्यवाही के लिए पत्र लिखेंगे। विकासखंड कल्जीखाल आरओ अरविंद कुमार ने बताया कि विकासखंड कल्जीखाल के तीन मतदान केंद्र अति संवेदनशील के श्रेणी में है। बताया कि अति संवेदनशील मतदान केंद्र मरोड़ा, बिलखेत, बिलखेत 2, पांचाली का औचक निरीक्षण किया गया। इन केंद्रों पर शांति पूर्वक मतदान सम्पन्न हुआ।

महिला को प्रताड़ित करने वाले सीएसएल बैंक के सभी खाते फ्रीज

देहरादून। डीएम सविन बंसल ने पब्लिक के साथ धोखाधड़ी करने वाले बैंकों एवं फाइनेंस कंपनियों पर सख्त रुख अपनाया है। जिला प्रशासन ने बच्चों की मां को प्रताड़ित करने वाले सीएसएल बैंक के सभी खाते फ्रीज कर दिए हैं।जिला प्रशासन ने बैंक शाखा को सील करते हुए ताला जड़ते हुए बैंक की संपत्ति कुर्क कर दी है। जानकारी के अनुसार विगत 11 जुलाई को डीएम समक्ष आर्थिक तंगी से जूझ रही 4 छोटे बच्चों की मां ने शिकायती पत्र प्रेषित किया था। बताया था कि पति की मृत्यु के बाद बैंक एक वर्ष से बीमित ऋण का न तो क्लेम दे रहा है तथा सम्पति के कागज भी जब्त किए गए हैं। बताया कि उनके पति स्व. विकास कुमार द्वारा 6.50 लाख का बैंक से ऋण लिया था तथा बैंक के अनुरोध पर ऋण का भी बीमा भी करवाया था। बीमा कम्पनी द्वारा ऋण का बीमा करते समय सभी मानकों /जांच जिसमें शारीरिक तथा अन्य समस्त जांच की औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए ऋण का बीमा किया गया तथा प्रीमियम शुल्क काटते हुए ऋण भुगतान उनके पति को किया गया। प्रशासन द्वारा ऋण बीमा धोखाधड़ी में सीएसएल बैंक को सील कर दिया गया है।

जल्द ही नीलामी की कार्यवाही की जाएगी। महिला को बीमा धनराशि नो ड्यूज न देने पर प्रशासन ने राजपुर रोड स्थित बैंक शाखा पर ताला जड़ दिया और संपत्ति कुर्क कर दी है। डीएम सविन बंसल ने बताया कि नियमानुसार वसूली की कार्यवाही करते हुए समन तामिल कराया गया।

राज्य आंदोलनकारियों के बच्चों को निशुल्क शिक्षा मिले

ऋषिकेश। उत्तराखंड आन्दोलनकारी संयुक्त परिषद ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा। उन्होंने उत्तराखंड के सभी विश्वविद्यालयों में राज्य आंदोलनकारियों के लिए लागू शासनादेश का अनुपालन करवाने की मांग की। साथ ही राज्य आंदोलनकारियों के बच्चों को निशुल्क प्रदान कराने की मांग की। उत्तराखंड आन्दोलनकारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष राजेश शर्मा ने कहा कि उत्तराखंड में 13 दिसंबर 2011 को शासनादेश लागू किया गया था, जिसमें उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों के दो बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्राप्त करने का प्रावधान किया गया था। बावजूद इसके इस शासनादेश का सभी विश्वविद्यालयों में अनुपालन नहीं हो रहा है। वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण परिवर्तन आए हैं।

दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की मांग

हरिद्वार। हरिद्वार के सुप्रसिद्ध मंशा देवी मंदिर के पैदल मार्ग पर भारी भीड़ के कारण अचानक हुई भगदड़ की दुर्घटना में 8 श्रद्धालुओं की आकस्मिक मृत्यु होने पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र अयोध्या के महामंत्री एवं विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय उपाध्यक्ष चंपत राय ने उनके प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय उपाध्यक्ष चंपत राय के उत्तराखण्ड प्रवास के समय जब उन्हें दुर्घटना संबंध में जानकारी प्राप्त हुई तो उन्होंने तत्काल विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री अजय कुमार के साथ एम्स ऋषिकेश पहुंच कर घायलों से मुलाकात कर उनको हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। वहां उन्होंने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद दुख की घड़ी में शोकसंतप्त परिवारों एवं दुर्घटना में घायल परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की मांग भी की है।

इधर दुर्घटना में घायल जिन श्रद्धालुओं का उपचार जिला चिकित्सालय हरिद्वार में चल रहा है उनसे मुलाकात करने स्वामी विष्णुदास महाराज परमाध्यक्ष उछाली आश्रम हरिद्वार के साथ बलराम कपूर जिला अध्यक्ष विहिप, जीवेंद्र तोमर जिला मंत्री, अमित मुल्तानिया जिला संयोजक बजरंग दल, नवीन तेश्वर प्रांत सुरक्षा प्रमुख बजरंगदल उत्तराखण्ड, अंगद सक्सेना आदि अनेक प्रमुख कार्यकर्ता पहुंचे और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

हादसे के जिम्मेदार के खिलाफ हो हत्या का मामला दर्ज: कांग्रेस

हरिद्वार। कांग्रेस ने मनसा देवी मंदिर मार्ग पर हादसे को लेकर शोक जताया है। कहा कि यह हादसा न केवल एक मानवीय त्रासदी है, बल्कि सरकार और प्रशासन की लापरवाही का जीता जागता सबूत भी है। कांग्रेस ने जिम्मेदारों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग उठाई है। पत्रकार वार्ता में कांग्रेस महानगर अध्यक्ष अमन गर्ग ने कहा कि मृतकों की संख्या को छुपाया जा रहा है। कई श्रद्धालु अभी भी गंभीर रूप से घायल हैं और अस्पतालों में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। कहा कि पार्टी दिवंगत आत्माओं के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है। कहा कि यह घटना पूरी तरह से प्रशासन की असफलता और सरकार की लापरवाही का परिणाम है। उन्होंने कहा कि श्रावण मास की शिवरात्रि के बाद का प्रथम शनिवार और रविवार को शहर में अधिक भीड़ रहती है। यह बात हर वर्ष प्रशासन को ज्ञात रहती है, फिर भी कोई पुख्ता तैयारी नहीं की गई।

फूलचट्टी के पास मार्ग आवाजाही के लिए सुचारू

उत्तरकाशी। भूधंसाव के कारण फूलचट्टी के निकट जानकीचट्टी जाने वाला सड़क मार्ग रविवार को देर शाम वाहनों की आवाजाही के लिए खुला। यहां सड़क के नीचे से हो रहे भूधंसाव के कारण शनिवार को इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गयी थी। मार्ग बंद होने पर यमुनोत्री जाने वाले वाहनों को खरसाली गांव वाली सड़क से भेजा गया। फूलचट्टी के पास जहां से सड़क मार्ग बंद है वहां से यमुनोत्री धाम का अंतिम पड़ाव जानकीचट्टी तक 3 किलोमीटर है। लोक निर्माण विभाग द्वारा इस मार्ग को खोलने की कार्यवाही के बाद रविवार देर शाम मार्ग सुचारू हो गया।

समरस्ता के प्रत्यक्ष प्रतिमूर्ति थे स्व. मांगेराम: चंपत राय

ऋषिकेश। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या के महासचिव चंपत राय ने कहा कि समाजसेवी स्व. हरज्ञान चंद अग्रवाल समरसता के प्रतिमूर्ति और दिव्य विभूति राष्ट्रभक्त थे। वह भारत माता की साधना में सदैव तत्पर रहे। जिन सिद्धान्तों को लेकर मांगेराम आगे बढ़े, उन्हीं सिद्धान्तों को उनके बच्चे आगे बढ़ा रहे हैं। यह बातें उन्होंने सोमवार को डोईवाला स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में स्व. मांगेराम की पुण्य तिथि पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने स्व. मांगेराम को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। कहा कि स्व. मांगे राम ऐसे उदाहरण हैं जो कहते थे कि इस धरा पर कोई उंच–नहीं सब इंसान बराबर हैं। जाति के आधार पर कोई भेदभाव या छुआछूत नहीं होनी चाहिए। स्वामी रविन्द्र पुरी महाराज ने कहा कि स्व. मांगेराम विद्यालय के लिए जमीन ना देते तो आज निर्धन बच्चे शिक्षा नहीं ले पाते। वास्तव में मांगे राम ने एक मंदिर की स्थापना की। ऐसे शिक्षा के मंदिर आज पूरे देश भर में खुलने चाहिए। आरएसएस के प्रान्त प्रचार प्रमुख संजय ने कहा कि स्व. मांगेराम ने आपातकाल, रामजन्म भूमि का आंदोलन, गो आंदोलन आदि में सक्रिय भाग ही नहीं लिया, अपितु समाज को जोड़ने का काम भी किया।

दून के उद्यमी शिवम अग्रवाल को मेरिलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी से मानद डॉक्टरेट की उपाधि मिली

देहरादून। देहरादून के प्रमुख उद्यमी और सामाजिक परिवर्तनकर्ता शिवम वीरेंद्र अग्रवाल को हाल ही में मेरिलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका द्वारा बिज़नेस मैनेजमेंट और सोशल वर्क में मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान इंडिया इंटेलेक्चुअल कॉन्क्लेव 2025 के दौरान प्रदान किया गया, जो इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित हुआ। इस सम्मान समारोह में देशभर से कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, शिक्षाविदों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने शिरकत की। यह डॉक्टरेट उपाधि शिवम अग्रवाल के बहुआयामी व्यावसायिक कार्यों, सामुदायिक विकास और सामाजिक सरोकारों में उनके उल्लेखनीय योगदान को मान्यता प्रदान करती है। लगभग 16 साल पहले एक साधारण स्ट्रीट फूड वेंडर के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाले शिवम अग्रवाल आज विज्ञापन, इवेंट मैनेजमेंट, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, लॉजिस्टिक्स और इंस्टीट्यूशनल सप्लाई चेन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत कई व्यवसायिक समूहों के संस्थापक और संचालक हैं। उनके प्रमुख उपक्रमों में त्रिनेत्रम ब्रांड सॉल्यूशन्स (प्रा.) लि., अग्रवाल ऐड्प्रो (प्रा.) लि., फार्म फ्रेश इंडिया ट्रेडिंग कंपनी, एसए एसोसिएट्स और एसएए एक्सपोर्ट्स शामिल हैं।

संघ राष्ट भक्ति व सेवा भाव सिखाता है

हरिद्वार। फेरूपुर शिव मंदिर प्रांगण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने गुरु दक्षिणा कार्यक्रम मनाया गया। मुख्य वक्ता जगजीतपुर खंड के मंडल पालक दिनेश चौहान ने बताया कि गुरु दक्षिणा कार्यक्रम में भगवा ध्वज को गुरु मानकर उनकी पूजा करते हैं। उन्होंने बताया कि यह परंपरा आरएसएस की स्थापना से अब तक चली आ रही है। स्वयंसेवक समाज में समरसता, नागरिक कर्तव्य और कुटुंब प्रबंधन को बढ़ाने का कार्य करते हैं। अध्यक्षता कर अशोक कुमार आर्य ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से गुरु परंपरा के प्रति लोगों की भावना जागृत होती है। कार्यक्रम का संचालन श्याम सिंह तथा सचिन चौहान ने किया। कार्यक्रम में राजेंद्र सिंह सत्यार्थी, अधिवक्ता भूपेंद्र चौहान, रमन सैनी, ठाकुर शिवम चौहान, जितेंद्र कश्यप, प्रवीण आर्य, प्रशांत चौहान, प्रमोद सैनी, गौरव धीमान, पृथ्वीराज चौहान, शिवांग चौहान, धनंजय सैनी, अंशुल, विवेक आदि उपस्थित रहे।

कर्मचारियों का यह आंदोलन अब निर्णायक मोड़ की ओर अग्रसर : नरेन्द्र मलिक

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय में जारी सांकेतिक हड़ताल 21वें दिन भी लगातार जारी रही। धरने पर समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे। कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए यूनियन के अध्यक्ष रजनीश भारद्वाज व महामंत्री नरेन्द्र मलिक ने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से जारी कर्मचारियों का यह आंदोलन अब निर्णायक मोड़ की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में दायर किए गए वाद की सुनवाई 30 जुलाई को होनी है। कर्मचारियों को पूर्ण विश्वास है कि माननीय उच्च न्यायालय में कर्मचारियों का पक्ष सुनने के उपरान्त कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के आधार पर कर्मचारियों के पक्ष में निर्णय आएगा। यह निर्णय न्याय व तर्कसंगत साक्ष्यों की जीत होगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों ने माननीय उच्च न्यायालय में समय–समय पर भारत सरकार व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्गत किए गए नियमानुसार आदेशों को आधार बनाते हुए अपना पक्ष न्यायालय में प्रस्तुत किया है। वहीं कर्मचारियों का कहना है कि समविश्वविद्यालय में भारत सरकार व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों को देश के अन्य विश्वविद्यालयों की भांति लागू किए जाने तक यह संघर्ष जारी रहेगा। कर्मचारियों का कहना है कि वह किसी व्यक्ति विशेष या संगठन विशेष के प्रति आंदोलनरत नहीं है। उनकी लड़ाई सिद्धान्तों व नियमों की है जिनका अक्षतः पालन किया जाना समविश्वविद्यालय व सभी कर्मचारियों के हित में होगा।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री ने किया वृक्षारोपण

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को हल्द्वानी स्थित एफटीआई परिसर में आयोजित एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और जनसहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे इस अभियान को पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बनने का प्रेरणादायक संदेश दिया।प्रकृति संरक्षण हमारा संकल्प, हरेला पर्व पर रोपे गये 8 लाख से अधिक पौधे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ह्यएक पेड़ माँ के नामह्ल अभियान की शुरुआत गत वर्ष की गई थी, और इस वर्ष भी यह अभियान पूरे देश में उत्साहपूर्वक चलाया जा रहा है। उत्तराखंड में इस अभियान का विधिवत शुभारंभ हरेला पर्व के अवसर पर किया गया, जिसमें पहले ही दिन रिकॉर्ड 8,13,000 लोगों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी सहभागिता दर्ज की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति संरक्षण हमारा संकल्प हैह्ल और देवभूमि उत्तराखंड में यह अभियान पूरे एक माह तक जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि इस पवित्र सावन मास में एक पेड़ माँ के नाम अवश्य लगाएं और प्रकृति संरक्षण में अपना योगदान दें।

मनसा देवी हादसे पर की संवेदना व्यक्त।

मुख्यमंत्री ने हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में हाल ही में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए राज्य सरकार द्वारा तत्परता से आवश्यक निर्णय लिए गए हैं। प्रदेश के सभी प्रमुख धार्मिक स्थलोंकृजहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और तीर्थयात्री दर्शन हेतु आते हैंकृवहां व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। इनमें श्रद्धालुओं की केयरिंग कैपेसिटी के अनुसार प्रवेश, स्थान का संभावित विस्तार, पार्किंग एवं ट्रैफिक प्रबंधन, और सुरक्षा मानकों के पालन को प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि मनसा देवी मंदिर सहित प्रदेश के सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों पर यह व्यवस्थाएं सख्ती से लागू की जाएंगी।

शहरी क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण पर कार्रवाई के निर्देश

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण को लेकर प्रशासन द्वारा सख्ती बरती जा रही है। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गये हैं कि वे अवैध कब्जों की पहचान कर उन्हें तत्काल हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम न केवल सार्वजनिक परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि विकास परियोजनाओं की गति बनाए रखने और नागरिकों को सुचारु सुविधाएं उपलब्ध कराने की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com